योगी की पाती



संदेश

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

लोक भवन,
लखनऊ –226001

दिनांक :

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

आज जब 'योगी की पाती' इस पुस्तक के रूप में आपके हाथों में है, तो मन में एक सहज भाव और गहरा संतोष है।

वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री के दायित्त को संभालने के पश्चात एक विचार सदैव मन में रहा कि शासन और समाज के बीच केवल फाइलों, आदेशों और मंचों का ही संपर्क न हो। एक जनसेवक के नाते मेरी सदैव यह इच्छा रही कि प्रदेश के सुदूर गांवों, गलियों और खेत-खलिहानों में बैठे अपने परिवारजनों से सीधे, सरल और आत्मीय संवाद हो। इसी विचार से प्रत्येक सोमवार को 'पाती' लिखने का क्रम आरम्भ हुआ।

इन पातियों को लिखते समय मैंने स्वयं को कभी मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि आपके परिवार के एक सदस्य, एक अभिभावक और एक सहयात्री के रूप में देखा। जब परीक्षाओं के समय हमारे बच्चों के मन में घबराहट होती थी, तो एक अभिभावक की भांति उनसे मन की बात साझा की। जब त्योहारों का उल्लास आया, तो अपने कुम्हारों और कारीगरों के घर भी दीप जलें, इसके लिए आपसे 'स्वदेशी' का आग्रह किया। कभी 'एक पेड़ मां के नाम' के माध्यम से प्रकृति के प्रति कृतज्ञता जगाने का प्रयास किया, तो कभी अपने बुजुर्गों के सम्मान और बेटियों की सुरक्षा के लिए समाज की चेतना को जगाने का प्रयास किया। इस आत्मीय संवाद का सबसे बड़ा सुफल यह रहा कि सरकारी योजनाएं केवल कागजों तक सीमित नहीं रहीं, वे जनभागीदारी से जुड़कर जनांदोलन बन गई।

विगत साढ़े नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने उपद्रव के अंधकार से निकलकर 'उत्सव प्रदेश' के प्रकाश की जो यात्रा तय की है, यह पुस्तक उसी साझा संघर्ष, संकल्प और सिद्धि का साक्षी है। अयोध्या के भव्य मंदिर व धर्म-ध्वजा के बैभव से लेकर महाकुम्भ की दिव्यता तक और गरीब के चेहरे पर आई मुस्कान से लेकर युवाओं के आत्मविश्वास तक, हर पड़ाव की स्मृतियां इन पन्नों में संजोई गई हैं।

यह संकलन केवल बीती बातों का दस्तावेज नहीं है, अपितु आने वाली पीढ़ियों के लिए यह संदेश है कि जब सरकार और समाज एक परिवार बनकर चलते हैं, तो 'अंत्योदय से सर्वोदय' और 'विकसित उत्तर प्रदेश' का स्वप्न अवश्य साकार होता है।

आप सभी के स्नेह, विश्वास और सहयोग के प्रति हृदय से आभार।

आपका

(योगी आदित्यनाथ)

दूरभाष : 0522-2289017 / 2289010 / 2289167 फैक्स - 0522-2239234 ईमेल - cmup@nic.in

सुरक्षित बेटियां-सशक्त प्रदेश



मिशन शक्ति की सफलता तभी है, जब बेटियों में
सुरक्षा का भाव और आमजन में सुरक्षा का विश्वास हो।
अपराधियों में कानून का भय दिखना चाहिए।

मेरे प्रिय प्रदेशवासियों,

आगामी शारदीय नवरात्र में मिशन शक्ति के 5वें चरण का शुभारम्भ होने जा रहा है। मिशन शक्ति की सफलता तभी है, जब बेटियों में सुरक्षा का भाव और आमजन में सुरक्षा का विश्वास हो। अपराधियों में कानून का भय दिखना चाहिए। मैंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे फील्ड में उतरकर आप सबसे संवाद करें। आप भी पुलिस को अपनी समस्या बताने में हिचकिचाएं नहीं। 22 सितंबर से तीन माह तक चलने वाले इस अभियान के दौरान, मैंने सभी 57 हजार ग्राम पंचायतों और 14 हजार नगरीय वॉर्डों में महिला पुलिस अधिकारियों को भेजने का विशेष निर्देश दिया है। ये अधिकारी महिलाओं और बच्चियों से संवाद स्थापित करेंगे। आपकी समस्याओं को सुनेंगे और समझेंगे। आपकी सरकार, भयमुक्त प्रदेश को बहन-बेटियों के लिए और भी सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

आपका

योगी आदित्यनाथ

19.09.2025

शक्ति की उपासना का महापर्व



> मां दुर्गा के नौ स्वरूप हमें जीवन की चुनौतियों से संघर्ष करने एवं अपनी आंतरिक शक्तियों को जागृत करने की प्रेरणा देते हैं।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

मेरी ओर से आप सभी को शक्ति की उपासना के पर्व नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं। मां दुर्गा के नौ स्वरूप हमें जीवन की चुनौतियों से संघर्ष करने एवं अपनी आंतरिक शक्तियों को जागृत करने की प्रेरणा देते हैं। इन नौ दिनों तक करोड़ों प्रदेशवासियों की तरह, मैं स्वयं फलाहार पर रहता हूं। व्रत एवं उपवास हमें आंतरिक शक्ति प्रदान कर, बीमारियों से दूर रखते हैं। प्रदेशवासी इस पवित्र अवसर पर स्वयं के और सम्पूर्ण परिवार के उत्थान का संकल्प लें। हृदय और किडनी से संबंधित बीमारियों से बचाव का प्रभावी उपाय यह भी हो सकता है कि सप्ताह में एक दिन नमक न खाने का संकल्प लिया जाए। डॉक्टर की सलाह से यह संकल्प पूरे वर्ष के लिए हो। मां दुर्गा से प्रार्थना है कि उनका आशीर्वाद प्रदेश की जनता पर सदैव बना रहे और उत्तर प्रदेश लोककल्याण के पथ पर अग्रसर हो।

आपका



योगी आदित्यनाथ

22.09.2025

समरसता के आदिकवि



आदिकवि महर्षि वाल्मीकि का जीवन समस्त समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने प्रभु श्रीराम के प्रेम, करुणा और मर्यादा के आदर्शों से मानव सभ्यता का नाता जोड़ा।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

जन-जन को प्रभु श्रीराम के जीवन-मूल्यों से परिचित कराने वाले, सत्य और धर्म का अमृत प्रदान करने वाले महाकाव्य रामायण के रचयिता, आदिकवि महर्षि वाल्मीकि का जीवन समस्त समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने प्रभु श्रीराम के प्रेम, करुणा और मर्यादा के आदर्शों से मानव सभ्यता का नाता जोड़ा। उनका जीवन हमें यह संदेश देता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी सत्यनिष्ठा एवं प्रभु की साधना से स्वयं में राम को खोजना संभव है। महर्षि वाल्मीकि जैसे त्रिकालदर्शी महात्मा पूरे समाज के हैं, उनके प्रभु राम सबके हैं, उनकी रामायण सबके लिए है एवं उन्होंने श्रीराम के बारे में जो लिखा, वही भारत और सनातन का आधार है। महर्षि वाल्मीकि की समरसता की यह धारा समाज में सतत बहती रहे, यही हमारा संकल्प है। महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

आपका

योगी आदित्यनाथ

07.10.2025

दीवाली स्वदेशी वाली



जब आप दीपावली की खरीदारी के लिए निकलें, तो स्वदेशी का संकल्प गांठ बांधकर निकलें। देश में ही निर्मित वस्तुओं को प्राथमिकता दें। फिर चाहे वे दीये हों, मोमबत्तियां हों, झालर हों या अन्य कोई वस्तु।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

दीपावली का पावन पर्व निकट है। आप सभी पूर्ण उत्साह के साथ उत्सव की तैयारियों में जुटे होंगे। इस व्यस्तता के बीच, क्षण भर रुककर एक आवश्यक संकल्प लें। स्वदेशी का संकल्प। जब आप दीपावली की खरीदारी के लिए निकलें, तो स्वदेशी का यह संकल्प गांठ बांधकर निकलें। देश में ही निर्मित वस्तुओं को प्राथमिकता दें। फिर चाहे वे दीये हों, मोमबत्तियां हों, झालर हों या अन्य कोई वस्तु। आपकी ये छोटी-सी पहल, लाखों देसी कारीगरों, शिल्पकारों, कुम्हारों एवं स्थानीय दुकानदारों के जीवन में उल्लास ले आयेगी। आप उनकी दीपावली को अधिक प्रकाशमान और स्मरणीय बनाने में सहायता कर सकते हैं। उपहारों के लिए भी स्वदेशी को चुनें। ओडीओपी के उत्कृष्ट उत्पाद अच्छा विकल्प सिद्ध हो सकते हैं। ये आपके उपहार को सबसे विशिष्ट तो बनाएंगे ही, साथ ही ये हमारे प्रतिभाशाली कारीगरों के परिश्रम का उचित सम्मान भी होगा। स्मरण रहे- ये दीवाली, स्वदेशी वाली। समस्त प्रदेशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं।

आपका



योगी आदित्यनाथ

14.10.2025

छठ : नदी सभ्यता को नमन



हम नदी सभ्यता की संतानें हैं।
हमारे लिए नदियां धमनियों-सी हैं,
जिनमें जल की स्मृतियां सुरक्षित हैं।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

छठ महापर्व आस्था और परंपरा के साथ-साथ प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम उत्सव हैं। इस पर्व का एक गहरा संदेश है- नदियों और जलाशयों के प्रति सम्मान व उनका संरक्षण। हम नदी सभ्यता की संतानें हैं। हमारे लिए नदियां धमनियों-सी हैं, जिनमें जल की स्मृतियां सुरक्षित हैं। उत्तर प्रदेश सरकार इन जीवनधाराओं के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। 2017 से अब तक 50 से अधिक नदियों को पुनर्जीवित किया जा चुका है। कानपुर की नून, देवरिया की छोटी गंडक, वाराणसी की मटुका, जौनपुर की पीली नदी का प्रवाह हमारे प्रयास का प्रमाण है। इसी कड़ी में 'गोमती पुनर्जीवन मिशन' प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को नई धारा प्रदान करेगा।

'एक जिला-एक नदी' के अंतर्गत, सरकार नदियों के संरक्षण के लिए सतत् प्रयत्नशील है। आइए, इसे लोकसहभागिता के उत्सव के रूप में मनाएं। इस छठ पर नदियों-घाटों को स्वच्छ रखने का संकल्प लें। नदियां हैं तो हम हैं, नदियां नहीं तो कुछ भी नहीं। समस्त प्रदेशवासियों को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं!

आपका



योगी आदित्यनाथ

24.10.2025

यूपी : स्वाद का समृद्ध संसार



प्रदेश का हर जनपद, अपने अनूठे स्वाद से
संस्कृति, गौरव और इतिहास को जीवंत करता है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

राजधानी लखनऊ को यूनेस्को ने 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गॅस्ट्रोनॉमी' के रूप में चुना है। व्यंजन बनाने में रचनात्मकता के लिए मिली यह मान्यता लखनऊ ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश के विविधता से भरे खान-पान का वैश्विक सम्मान है। प्रदेश का हर जनपद, अपने अनूठे स्वाद से संस्कृति, गौरव और इतिहास को जीवंत करता है। लखनऊ की चाट, बनारस की मलइयो, मेरठ की गजक, बांदा का सोहन हलवा, इटावा के मट्ठे के आलू, बागपत की बालूशाही, आगरा का पेठा, मथुरा का पेड़ा, मुरादाबादी दाल, खुर्जा की खुरचन... यह 'स्वादिष्ट सूची बहुत लंबी है। हर व्यंजन का अपना अलग स्वाद है, अपना गौरवशाली इतिहास है। दुनिया को इस अप्रतिम स्वाद से परिचित कराना भी हमारा दायित्व है।

आप अपने आसपास स्वाद के संसार की यात्रा पर निकल कर या घर में ही बने व्यंजनों के साथ चित्र या वीडियो लें। इसे #One DistrictOneCuisine के साथ सोशल मीडिया पर शेयर करें। अपने भोजन एवं व्यंजनों के प्रति यह प्रेम, हमारी समृद्ध खान-पान परंपरा को देश और दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाकर पर्यटन की नई तरंग का सेतु बनेगा।

आपका

योगी आदित्यनाथ

08.11.2025

जनजातीय गौरव के महानायक



हमारा इतिहास जनजातीय शूरवीरों और महापुरुषों की गाथाओं से भरा है।
रानी दुर्गावती का साहस, महाराणा प्रताप के साथ खड़े रहने वाले भील,
मीणा और थारू समुदाय की वीरता हम भूले नहीं हैं।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

जय जोहार! धरती आबा बिरसा मुंडा जी का जीवन सम्मान, समानता और स्वाभिमान के लिए जनजागरण का प्रेरणास्रोत है। अंग्रेजी साम्राज्य के विरुद्ध, 'अपना देश, अपना राज' का बिगुल बजाने वाले लोकनायक बिरसा मुंडा जी की 'उलगुलान क्रांति' जल, जंगल, जमीन पर अपने अधिकारों की अनंत प्रतिज्ञा बन गयी। हमारा इतिहास जनजातीय शूरवीरों और महापुरुषों की गाथाओं से भरा है। रानी दुर्गावती का साहस, महाराणा प्रताप के साथ खड़े रहने वाले भील, मीणा और थारू समुदाय की वीरता हम भूले नहीं हैं। प्रभु श्रीराम ने माता शबरी के जूठे बेरों में प्रेम और समानता का संदेश देखा। श्रीराम और वनवासियों का संबंध समता और करुणा का धर्मसूत्र है।

हम जनजातीय समाज के उत्थान के लिए सतत् कार्यरत हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत 26 जनपदों के 517 गांव, सरकार की सभी लोक कल्याणकारी योजनाओं से आच्छादित हो रहे हैं। वनाधिकार अधिनियम के तहत आवासीय अधिकार दिये जा रहे हैं। एकलव्य विद्यालय, जनजाति छात्रावास, छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम आधुनिक शिक्षा का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। कला-संस्कृति की धरोहर सहेजने के लिए जनजातीय संग्रहालय स्थापित किये जा रहे हैं। विकास तभी सार्थक है, जब वंचितों को वरीयता मिले और अंत्योदय से सर्वोदय का रास्ता खुले।

स्वाधीनता संग्राम के महानायक बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती के पूर्व दिवस पर उन्हें कोटि-कोटि नमन एवं प्रदेशवासियों को 'जनजातीय गौरव दिवस' की शुभकामनाएं।

आपका



योगी आदित्यनाथ

14.11.2025

धर्म ध्वजा : सनातन की कीर्ति पताका



अयोध्या में हो रहा हर कार्य प्रभु श्रीराम के जीवन मूल्यों से प्रेरित है। अयोध्या के वैभव को पुन: प्राप्त करने के पीछे असंख्य संतों, रामभक्तों और योद्धाओं के बलिदान की गौरवगाथा है।

मेरे प्रिय प्रदेशवासियों,

25 नवंबर, 2025 (मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, पंचमी, विक्रम संवत्, 2082) को अयोध्या का नाम पुनः इतिहास के पृष्ठ पर स्वर्णिम अक्षरों में अंकित होगा। धर्म ध्वजा की पुनर्स्थापन से अयोध्या वैश्विक आध्यात्मिक केंद्र का स्वरूप लेगी। भव्य श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह अनुष्ठान एक यज्ञ की पूर्णाहुति ही नहीं, अपितु एक नए युग का आरंभ है।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन से अयोध्या में हो रहा हर कार्य प्रभु श्रीराम के जीवन मूल्यों से प्रेरित है। अयोध्या के वैभव को पुनः प्राप्त करने के पीछे असंख्य संतों, रामभक्तों और योद्धाओं के बलिदान की गौरवगाथा है।

अयोध्या विजन 2047 का ध्येय आज तीव्र गति से आकार ले रहा है। नई कनेक्टिविटी, अत्याधुनिक आधारभूत संरचना, तीव्र गति से हो रहे पर्यटन विकास, स्मार्ट सिटी और सोलर सिटी जैसे प्रयासों से वैश्विक स्तर पर अयोध्या एक सस्टेनेबल-समावेशी आधुनिक शहर के रूप में स्थापित हो रही है। करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए श्री अयोध्या धाम तक पहुंचना पहले से कहीं अधिक सहज, सुरक्षित और सुगम हुआ है।

प्रभु श्रीराम की नगरी विश्व मानचित्र पर सांस्कृतिक राजधानी के रूप में उदित हो रही है, जहां विरासत का सम्मान भी है और अभूतपूर्व विकास भी।

मेरी यही कामना है कि धर्म-ध्वजा की पुनर्स्थापना से प्रदेश में सुख, शांति और समृद्धि का नया युग आरंभ हो।

आइए-हम सभी मिलकर रामराज्य के आदर्शों से प्रेरित एक नव-उत्तर प्रदेश के निर्माण का संकल्प लें।

जय श्रीराम।

आपका

योगी आदित्यनाथ

समतामूलक समाज के शिल्पकार



बाबासाहेब को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम संविधान की मूल आत्मा को जीवन का मानक बनाकर, समतामूलक समरस समाज का संकल्प लें।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

संविधान दिवस पर पेरिस से आई एक तस्वीर ने हम सब को गर्व से भर दिया। यूनेस्को मुख्यालय में भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया गया। यह विश्व समुदाय की ओर से उस युगांतरकारी महापुरुष की पुण्यस्मृति को नमन है, जिन्होंने न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल भारतीय चिंतन को संविधान के माध्यम से अंगीकृत कराया। शोषित एवं वंचित समाज के प्रखर स्वर बाबासाहेब का दिया संविधान समाज को एक अटूट सूत्र में पिरोता है।

बाबासाहेब की प्रेरणा से हमारी सरकार ने दलितों और वंचितों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। दलित युवाओं को स्वरोजगार के लिए अनुदानित ऋण और आर्थिक सहायता से आत्मनिर्भर बनाने की पहल की है। स्कूली शिक्षा से व्यावसायिक प्रशिक्षण तक छात्रवृत्ति और छात्रावास सुविधाओं का विस्तार किया है।

बाबासाहेब की दिखाई राह पर चलते हुए 'जीरो पॉवर्टी' अभियान के अंतर्गत कमजोर वर्गों को आवास, राशन, पेंशन, शिक्षा, श्रम योजना, बाल विकास सहित अन्य योजनाओं का लाभ तीव्र गति से पहुंचाया जा रहा है। हमारा उद्देश्य वर्ष 2027 तक प्रदेश को गरीबी मुक्त करना है।

6 दिसंबर को महापरिनिर्वाण दिवस पर, बाबासाहेब को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम संविधान की मूल आत्मा को जीवन का मानक बनाकर, समतामूलक समरस समाज का संकल्प लें।

आपका



योगी आदित्यनाथ

सुरक्षा से समृद्धि



उत्तर प्रदेश की सुरक्षा, सामाजिक
संतुलन और सुदृढ़ कानून-व्यवस्था
हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने एक प्रकरण की सुनवाई के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण टिप्पणी की है कि घुसपैठियों के लिए लाल कालीन नहीं बिछाई जा सकती है। इससे स्पष्ट है कि घुसपैठिये किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं हैं। संसाधनों पर अधिकार नागरिकों का है, घुसपैठियों का नहीं है।

उत्तर प्रदेश की सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और सुदृढ़ कानून-व्यवस्था हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या एवं बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरुद्ध सख्त और निर्णायक कार्रवाई प्रारम्भ की गई है। सभी नगरीय निकायों को संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान कर सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

सार्वजनिक संसाधनों पर अनधिकृत बोझ की सफाई भी आवश्यक है। योजनाओं के माध्यम से वंचितों को मिलने वाले लाभ को बंटने नहीं दिया जा सकता है। इसी उद्देश्य से दस्तावेज सत्यापन का विशेष अभियान चलाया जा रहा है और घुसपैठियों को चिह्नित कर उन्हें डिटेंशन केंद्रों में भेजा जा रहा है, ताकि अग्रिम कार्यवाही की जा सके। इसके लिए प्रत्येक मंडल में डिटेंशन केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

मैं प्रदेश की जागरुक जनता से अपील करता हूं कि सतर्क रहे और घरेलू अथवा व्यावसायिक कार्यों में किसी भी व्यक्ति को नियोजित करने से पूर्व उसकी पहचान अवश्य सुनिश्चित करे। प्रदेश की सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है क्योंकि सुरक्षा ही समृद्धि का आधार है।

आपका

योगी आदित्यनाथ

08.12.2025

सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रदेश



प्रभु श्रीराम की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश सरकार वर्ष 2017 से श्रीअयोध्या धाम में भव्य-दिव्य-अलौकिक दीपोत्सव का आयोजन कर रही है, जो आज एक वैश्विक महापर्व बन चुका है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

दुनिया के सबसे दिव्य एवं अलौकिक उत्सव दीपावली को यूनेस्को ने मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची में सम्मिलित किया है। यह अखिल विश्व के सनातनियों के सम्मान और उत्तर प्रदेश की धरा के लिए गौरव का क्षण है। प्रभु श्रीराम, माता सीता और श्री लक्ष्मण जी के आगमन पर अयोध्यावासियों ने पूरी नगरी दीयों से आलोकित कर उनका स्वागत किया था। प्रभु श्रीराम की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश सरकार वर्ष 2017 से श्री अयोध्या धाम में भव्य-दिव्य-अलौकिक दीपोत्सव का आयोजन कर रही है, जो आज एक वैश्विक महापर्व बन चुका है।

विगत 9 वर्षों में सांस्कृतिक पुनर्जागरण की यह श्रृंखला केवल दीपोत्सव तक सीमित नहीं है। 500 वर्ष की प्रतीक्षा के बाद श्री अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हुआ। मोक्षदायिनी काशी से लीलाधर श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा तक, कलियुग से मुक्त भूमि नैमिषारण्य से कल्कि धाम सम्भल तक विश्वास, विकास और धरोहर की त्रिवेणी प्रवाहमान हुई है। महायोगी गोरखनाथ की भूमि गोरखपुर, वाल्मीकि आश्रम लालापुर, निषादराज की पवित्र भूमि श्रृंगवेरपुरधाम एवं बौद्ध तीर्थ कुशीनगर का समग्र विकास इस बात का प्रमाण है कि अपनी संस्कृति के प्रति श्रद्धा हो, तो सब संभव है। यह केवल आरंभ है।

महाकुम्भ का भव्य आयोजन और कांवड़ यात्रा का सुगम-सुरक्षित स्वरूप संकल्प से सिद्धि की यात्राएं हैं। अब प्रयागराज में माघ मेला का अवसर आ गया है, जहां आस्था, समता और लोक संस्कृति का संगम श्रद्धालुओं के भव्य स्वागत की तैयारी कर रहा है। प्रदेश की जनता से मेरी अपील है कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण की इस श्रृंखला में सहभागी बनें।

आपका



योगी आदित्यनाथ

15.12.2025

अंत्योदय से सर्वोदय का संकल्प



परोपकार हमारी परंपरा है। अंत्योदय से सर्वोदय के दृढ़ संकल्प के साथ हम विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य की ओर तीव्र गति से अग्रसर हैं।

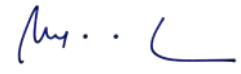
मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

उत्तर भारत में शीतलहर से बचाव के लिए सरकार पूरी संवेदनशीलता और तत्परता से कार्य कर रही है। अधिकारियों को मानवीय और अति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया गया है। समस्त प्रदेश में रैन बसेरों को पूरी क्षमता के साथ संचालित किया जा रहा है। रैन बसेरों में रजाई, कंबल, पेयजल, अलाव और हीटर की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। दूसरे स्थानों से आए परीक्षार्थियों व रोगियों के परिजनों को भी यहां आसरा मिल रहा है। सरकार के लिए हर व्यक्ति का जीवन अमूल्य है।

नगरीय निकायों एवं तहसीलों के माध्यम से जरूरतमंदों को ऊनी वस्त्र व कंबल वितरित किए जा रहे हैं। सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की गई है। कंपकंपाती ठंड में एक भी अभावग्रस्त व्यक्ति असहाय नहीं रहेगा। गोशालाओं में विशेष कंबल और अलाव का प्रबंध किया जा रहा है। इसके अलावा कोहरे में सुरक्षित यात्रा के लिए मार्गों पर अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है।

एक नागरिक के नाते आप भी इस सद्प्रयास में भागीदार बन सकते हैं। अपने आसपास देखिए। घरों में कार्य करने वाले सहयोगी, स्वच्छाग्रही, चौकीदार या अन्य लोगों से एक बार अवश्य पूछें कि क्या उनके पास शीतलहर से बचाव का पर्याप्त प्रबंध है। उन्हें एक कप चाय के लिए पूछिए। असहायों को सरकार द्वारा संचालित रैन बसेरों तक पहुंचाइए। मानवीय मूल्यों और संवेदना की परख ऐसे समय में ही होती है। परोपकार हमारी परंपरा है। अंत्योदय से सर्वोदय के दृढ़ संकल्प के साथ हम विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य की ओर तीव्र गति से अग्रसर हैं।

आपका



योगी आदित्यनाथ

23.12.2025

ब्रांड यूपी की वैश्विक पहचान



निवेश तभी सुरक्षित रह सकता है, जब समाज और राज्य सुरक्षित हों। प्रदेश में सुशासन के राज ने विश्व भर में 'ब्रांड यूपी' को सशक्त किया है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

यह आंग्ल वर्ष 2026 में प्रवेश का समय है। 2025 का वर्ष टेक्नोलॉजी, एआई व डेटा में नवाचार के नए मापदंड स्थापित करने के लिए स्मरण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश भविष्योन्मुखी विकास के नए मानक गढ़ रहा है। आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि प्रदेश के डिजिटल भविष्य को दिशा देने और निवेश का केंद्र बनाने में सरकार को आशातीत सफलता मिल रही है।

निवेश तभी सुरक्षित रह सकता है, जब समाज और राज्य सुरक्षित हों। प्रदेश में सुशासन केराज ने विश्व भर में 'ब्रांड यूपी' को सशक्त किया है। उत्तर प्रदेश अब निवेशकों के विश्वास का राज्य बन गया है।

लखनऊ और नोएडा में 'एआई सिटी' बसाने की तैयारी है। जेवर में ₹3,700 करोड़ से सेमीकंडक्टर यूनिट का निर्माण हो रहा है। 'स्वदेशी सेंटर, सुरक्षित डेटा' को ध्यान में रखकर बनी डेटा सेंटर नीति की सफलता दिखने लगी है। 5 हाइपरस्केल डेटा सेंटर पार्क का व्यावसायिक उपयोग प्रारंभ हो चुका है। डेटा सेंटर क्षेत्र में ₹30,000 करोड़ के निवेश का लक्ष्य है। 9 शहरों में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क स्थापित किए गए हैं। ड्रोन, रोबोटिक्स और मोबाइल उत्पादन में भी हम नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। 'एआई प्रज्ञा' के माध्यम से 10 लाख नागरिकों को एआई प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हजारों नई नौकरियां सृजित हो रही हैं।

मैं चाहूंगा कि मेरे युवा साथी वर्ष 2026 के लिए एक विशेष संकल्प लें। आप अपने आसपास 5 बच्चों को कंप्यूटर और एआई के विषय में जागरूक करें। हर सप्ताह कम से कम एक घंटा 'ज्ञानदान' के लिए निकालें। सरकार और आपका प्रयास संयुक्त रूप से न केवल विकसित उत्तर प्रदेश के सपने को पूरा करेगा, अपितु यूपी को विज्ञान-प्रौद्योगिकी की वैश्विक राजधानी के रूप में स्थापित करने में भी सहायक होगा।

आपका

योगी आदित्यनाथ

30.12.2025

साइबर क्राइम : सतर्कता ही बचाव



साइबर ठगों के विरुद्ध सतर्कता और जागरूकता ही सबसे बड़े शस्त्र हैं। आज प्रदेश के सभी 75 जनपदों में साइबर क्राइम थाने क्रियाशील हैं।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

मोबाइल और कंप्यूटर ने हमारे जीवन को अधिक सुगम और सुविधाजनक बनाया है, परंतु इसके साथ ही साइबर अपराध की चुनौतियां भी बढ़ी हैं। आपकी सरकार इसकी रोकथाम के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है।

2017 से पूर्व प्रदेश में केवल 2 साइबर क्राइम थाने थे। आज सभी 75 जनपदों में साइबर क्राइम थाने क्रियाशील हैं। साथ ही सभी जनपदीय थानों में साइबर हेल्प डेस्क बनाई गई है। साइबर ठगों के विरुद्ध सतर्कता और जागरूकता ही सबसे बड़े शस्त्र हैं। यह अपराधी 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे झूठे और भ्रामक शब्दों का प्रयोग कर निर्दोष नागरिकों को डराते-धमकाते हैं और उनसे पैसे वसूलते हैं। देश के किसी भी कानून में 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी कोई व्यवस्था नहीं है। पुलिस या अन्य कोई सरकारी एजेंसी वीडियो कॉल, वॉट्सऐप या सोशल मीडिया के माध्यम से किसी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं करती और न ही पैसे की मांग करती है।

सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर भी सावधान रहना होगा। आप जो तस्वीरें, वीडियो या लोकेशन सार्वजनिक करते हैं, उसके माध्यम से अपराधी पहले आपके बारे में सूचनाएं जुटाते हैं और इन्हीं सूचनाओं को आपके विरुद्ध प्रयोग करते हैं। अपनी व्यक्तिगत जानकारी या ओटीपी किसी के साथ साझा न करें। सावधानी के पश्चात भी यदि आपके साथ साइबर अपराध हो जाता है, तो सर्वप्रथम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर रिपोर्ट करें। जितना शीघ्र आप पुलिस को सूचित करेंगे, बचाव की संभावना भी उतनी ही अधिक होगी। जागरूक बनें और अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों को। आइए, हम सब मिलकर एक सुरक्षित और साइबर अपराध-मुक्त उत्तर प्रदेश का निर्माण करें।

आपका



योगी आदित्यनाथ

05.01.2026

सड़क सुरक्षा-सबकी रक्षा



सड़क दुर्घटनाओं में स्वस्थ लोगों की अकाल मृत्यु अपने पीछे शोक संतप्त परिवार छोड़ जाती है। सामूहिक दायित्व एवं सजगता से इस स्थिति को बदला जा सकता है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली जनहानि देख मुझे अत्यंत दुःख होता है। लापरवाही से वाहन चलाने और यातायात नियमों की अनदेखी के कारण हम हर वर्ष हजारों लोगों को खो देते हैं। ऐसी दुर्घटनाओं में स्वस्थ लोगों की अकाल मृत्यु अपने पीछे शोक संतप्त परिवार छोड़ जाती है। सामूहिक दायित्व एवं सजगता से इस स्थिति को बदला जा सकता है।

31 जनवरी तक हम प्रदेश भर में 'सड़क सुरक्षा माह' आयोजित कर रहे हैं। यह हमारे परिवारों और भविष्य की रक्षा का संकल्प है। हमारा लक्ष्य वाहन चालकों और पैदल यात्रियों के सड़क-व्यवहार में परिवर्तन लाना है। सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मृत्यु दर को शून्य स्तर पर लाने के लिए प्रदेश के 20 दुर्घटना-संवेदनशील जनपदों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। राज्य भर की सड़कों पर 3 हजार से अधिक ऐसे स्थानों को चिह्नित किया गया है, जहां दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इस अभियान को 4 बिंदुओं के आधार पर संचालित किया जा रहा है-शिक्षा, प्रवर्तन, इंजीनियरिंग और आपात देखभाल।

प्रदेश की सड़कें सभी के लिए सुगम-सुरक्षित हों, इसके लिए पुलिस तो नियमों को कड़ाई से लागू करेगी ही, परंतु सभी का सहयोग भी अपेक्षित है। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग आपके साथ-साथ किसी और के जीवन पर भी भारी पड़ सकता है। गति सीमा का पालन करें। तीव्र गति और नशे में गाड़ी चलाना घातक दुर्घटनाओं के सबसे प्रमुख कारणों में सम्मिलित हैं। हेलमेट और सीट बेल्ट दिखावे की वस्तुएं नहीं हैं। वे आपकी और आपके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं। माता-पिता का दायित्व है कि नाबालिग बच्चे वाहन न चलाएं। पैदल चलने वालों का अत्यधिक ध्यान रखें और उनके प्रति संवेदनशील रहें। स्मरण रहे, सड़क पर उनका भी उतना ही अधिकार है।

मुझे पूरा विश्वास है कि प्रदेश की सड़कों को सुगम-सुरक्षित बनाने के लिए आप यातायात नियमों का पालन करेंगे।

आपका



योगी आदित्यनाथ

हमारा संविधान, हमारा संकल्प



युवा संविधान के आदर्शों को आत्मसात
करते हुए नए उत्तर प्रदेश के निर्माण में
अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

हमारा संविधान हमें स्वतंत्रता, समता, न्याय और बंधुता का अमूल्य उपहार प्रदान करता है। ये संवैधानिक मूल्य लोकतंत्र की आत्मा हैं। आदरणीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार इन मूल्यों को केंद्र में रखकर एक ऐसे उत्तर प्रदेश का निर्माण कर रही है जहां अन्नदाताओं के खेत लहलहा रहे हैं, महिलाएं सशक्त होकर आत्मनिर्भर बन रही हैं, युवाओं को शिक्षा, कौशल और रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं तथा अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पूर्ण पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ पहुंच रहा है। आज उत्तर प्रदेश डॉ. भीमराव रामजी आम्बेडकर जी के संविधान की मूल भावना के अनुरूप सुशासन, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था और सर्वांगीण विकास के पथ पर दृढ़ता से अग्रसर है।

26 जनवरी 1950 को लागू हुआ संविधान हमें अपने महान राष्ट्र की लंबी संवैधानिक यात्रा और लोकतंत्र की शक्ति का स्मरण कराता है। लोकतांत्रिक आदर्शों और विविधता में एकता के संवैधानिक मार्गदर्शक मूल्यों को आधार बनाकर हम सशक्त, समृद्ध और विकसित उत्तर प्रदेश की यात्रा को आगे बढ़ा रहे हैं। सरकार पूर्ण संवेदनशीलता के साथ समरस एवं समतामूलक राज्य के निर्माण में जुटी है। हमारी सरकार का संकल्प है कि प्रत्येक नागरिक स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त अनुभव करे।

गणतंत्र दिवस के इस अवसर पर मैं विशेष रूप से प्रदेश के युवाओं से आह्वान करता हूं कि वे संविधान के आदर्शों को आत्मसात करते हुए नए उत्तर प्रदेश के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। संविधान के प्रति निष्ठा, राष्ट्र के प्रति समर्पण और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का संकल्प लें। संविधान प्रदत्त अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों का भी निर्वहन करें। व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का प्रयास करें जिससे राष्ट्र निरंतर उपलब्धि की नई ऊंचाइयों को छुए। आपके परिश्रम, अनुशासन एवं राष्ट्रभावना के साथ हम 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' के लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त करेंगे।

सभी प्रदेशवासियों को 77वें गणतंत्र दिवस की हृदय से शुभकामनाएं।

आपका

योगी आदित्यनाथ

26.01.2026

मांझे और मोबाइल से सावधान



बच्चों, मोबाइल आपका मूल्यवान समय चुरा
लेता है और आपको पता ही नहीं चलता।
इसके स्थान पर कोई रुचि विकसित करें।
पुस्तकों से मित्रता करें।

प्यारे बच्चों,

आपकी सुरक्षा, उत्तम स्वास्थ्य एवं सफलता हमारी सरकार की प्राथमिकता है। आज मैं तीन महत्वपूर्ण बिंदु आपसे साझा करना चाहता हूँ।

आकाश में ऊंची उड़ती पतंग सबको अच्छी लगती है। आपको भी पतंग उड़ाने में मजा आता होगा। लेकिन, चाइनीज मांझे से आपको पूरी तरह दूर रहना है। तेज धार वाले इस मांझे का उपयोग कानूनन अपराध है। पूरे प्रदेश में इसकी बिक्री, भंडारण और उपयोग पूर्णत: प्रतिबंधित है। चाइनीज मांझे से होने वाली जनहानि को देखते हुए प्रदेशव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। आपको भी इसमें सहयोग करना है। स्वयं इसका उपयोग न करें एवं दोस्तों को भी जागरूक करें। कोई दुकानदार या अन्य व्यक्ति चाइनीज मांझे की बिक्री करता दिखे, तो परिजनों की सहायता से पुलिस को सूचित करें।

दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु है- मोबाइल की लत। बच्चों, मोबाइल आपका मूल्यवान समय चुरा लेता है और आपको पता ही नहीं चलता। एक गेम या वीडियो देखने के लिए उठाया मोबाइल कई घंटे नष्ट कर देता है। आंखें कमजोर करता है एवं पढ़ाई में बाधा डालता है। इसके स्थान पर कोई रुचि विकसित करें। पुस्तकों से मित्रता करें। मित्रों के साथ खेलकूद में भाग लें। परिवार के साथ समय बिताएं। मोबाइल का उपयोग सीमित समय के लिए करें।

यह समय वैसे भी मोबाइल से दूर रहने का है। बोर्ड परीक्षाएं निकट हैं। पूरे वर्ष आपने लगन और परिश्रम से तैयारी की है। परीक्षा कक्ष में आत्मविश्वास के साथ प्रवेश करें, प्रश्नपत्र को ध्यान से पढ़ें एवं बिना घबराए सहजता से उत्तर लिखें। अपने प्रयास एवं अनुशासन में कमी न रखें और नकारात्मक विचारों से दूर रहें। श्रीमदभगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं- 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' अर्थात मनुष्य का अधिकार केवल कर्म पर है, उसके परिणाम पर नहीं। आपकी सीखने की ललक और परिश्रम ही सबसे महत्वपूर्ण हैं। सभी विद्यार्थियों को आगामी परीक्षाओं के लिए हृदय से शुभकामनाएं।

आपका

योगी आदित्यनाथ

08.02.2026

नवाचार : नए यूपी का आधार



हम युवाओं के सपनों को आकार भी दे रहे हैं
और उन्हें साकार करने के संसाधन भी
उपलब्ध करा रहे हैं।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

उत्तर प्रदेश का बजट नवाचार का ऐतिहासिक बजट है। नवनिर्माण के 9 वर्षों की यह यात्रा प्रगति पथ पर सतत गतिशील है। इन वर्षों में प्रदेश ने उद्यमशीलता, नवाचार एवं अवसंरचना की सशक्त आधारशिला रखी है। यह बजट उसी आधारशिला पर अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ सफल भविष्य का निर्माण करेगा। मेरा पूर्ण विश्वास है कि यह बजट आपकी नव-आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम बनेगा।

एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की प्राप्ति में सटीक डेटा एवं रियल टाइम डेटा मॉनिटरिंग के महत्व को देखते हुए स्टेट डेटा अथॉरिटी का गठन किया जाएगा। प्रौद्योगिकी और एआई को लेकर बजट में विशेष व्यवस्था की गई है। उत्तर प्रदेश एआई मिशन, एआई डेटा लैब, एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तथा डेटा सेंटर क्लस्टर उत्तर प्रदेश को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, एआई एवं डीप टेक के क्षेत्र में एक नए वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने में सहायक होंगे। 'टेक युवा-समर्थ युवा' योजना के अंतर्गत 25 लाख युवाओं को नई तकनीकों में प्रशिक्षित किया जाएगा।

एमएसएमई, ओडीओपी एवं स्टार्टअप को प्रोत्साहन देकर उत्तर प्रदेश, निवेश गंतव्य और रोजगार सृजक के रूप में विशिष्ट पहचान बना रहा है। कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र प्रत्येक युवा को भविष्य के लिए तैयार करेंगे। हम युवाओं के सपनों को आकार भी दे रहे हैं और उन्हें साकार करने के संसाधन भी उपलब्ध करा रहे हैं। मंडल मुख्यालय वाले प्रत्येक जनपद में स्पोर्ट्स कॉलेज, 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स एवं 2036 के ओलंपिक के लिए प्रतिभाओं को निखारेंगे। महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के लिए महिला उद्यमी उत्पाद विपणन योजना, महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड योजना एवं जनपद स्तर पर श्रमजीवी महिला छात्रावास प्रस्तावित हैं।

गत 9 वर्षों में बिना कोई नया टैक्स लगाए विकास पथ पर सतत बढ़ते जाना सरकार के कुशल वित्तीय प्रबंधन का परिणाम है। ₹9.12 लाख करोड़ का यह दूरदर्शी बजट युवा, महिला, अन्नदाता और गरीब की आकांक्षाओं को साकार करेगा। युवा साथी, सरकार की योजनाओं का लाभ उठाते हुए प्रदेश के नवनिर्माण में सहभागी बनें। एमर्जिंग टेक्नोलॉजी को आत्मसात करते हुए उद्यमशीलता की ओर बढ़ें। आपकी ऊर्जा, क्षमता और नवाचार के साथ मिलकर हम शीघ्र ही 'विकसित उत्तर प्रदेश' के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।

आपका

योगी आदित्यनाथ

विकसित उत्तर प्रदेश का संकल्प



वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा में पढ़ने वाली बेटियां नंगे पैर स्कूल जाती थीं। हमारी सरकार आई तो हमने स्पष्ट निर्देश दिया कि बेटियों को नि:शुल्क दो यूनिफॉर्म, बैग, बुक्स, शूज, सॉक्स और स्वेटर अनिवार्य रूप से मिलें। क्षेत्र, जाति, मजहब नहीं देखा, क्योंकि बेटियां पूरे समाज की हैं।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश नौ वर्षों में नव-निर्माण का स्वर्णिम अध्याय बन चुका है। आप सभी को हृदय से शुभकामनाएं। सुशासन और समावेशी नीति के बल पर आज प्रदेश देश के शीर्ष-3 राज्यों में स्थान प्राप्त कर चुका है।

प्रदेश के बढ़ते सामर्थ्य की आधारशिला युवा, महिलाएं और अन्नदाता हैं। वंचितों, पिछड़ों एवं दलितों के सम्मान के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

युवाओं के लिए हम निरंतर कदम उठा रहे हैं। वन डिविजनल हेडक्वार्टर-वन स्पोर्ट्स कॉलेज/एक्सीलेंस सेंटर, 'टेक युवा-समर्थ युवा' योजना एवं एआई मिशन का प्रारंभ युवाओं को सशक्त कर रहा है। सीएम युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत ब्याज मुक्त ऋण का लाभ स्व-रोजगार की असीम संभावनाएं सृजित कर रहा है।

महिला उद्यमी उत्पाद विपणन योजना और महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड योजनाओं से माताएं और बहनें सशक्त हो रही हैं। जनपद स्तर पर श्रमजीवी महिला छात्रावास बेटियों को सुरक्षित वातावरण देगा। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा में पढ़ने वाली बेटियां नंगे पैर स्कूल जाती थीं। मैं स्वयं साक्षी रहा हूँ। जब हमारी सरकार आई तो हमने स्पष्ट निर्देश दिया कि बेटियों को नि:शुल्क दो यूनिफॉर्म, बैग, बुक्स, शूज, सॉक्स और स्वेटर अनिवार्य रूप से मिलें। क्षेत्र, जाति, मजहब नहीं देखा क्योंकि बेटियां पूरे समाज की हैं।

अन्नदाता पसीना बहाते हैं, तो उन्हें उत्पादों का अधिक से अधिक मूल्य भी मिलना चाहिए। इसलिए उनके उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। 2017 से पहले बिजली कटौती अत्यधिक थी, तो ट्यूबवेल कैसे चलते? हमने 16 लाख से अधिक किसानों को निःशुल्क बिजली दी। वृद्धावस्था, दिव्यांगजन व निराश्रित महिला पेंशन के 1 करोड़ 6 लाख लाभार्थियों के लिए धनराशि बढ़ाई। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर जी, सद्गुरु रविदास जी महाराज और महर्षि वाल्मीकि जी की प्रतिमाओं को भव्य स्वरूप प्रदान करने के लिए ₹500 करोड़ उपलब्ध करवाए गए हैं।

विकसित उत्तर प्रदेश@2047 का संकल्प तभी सिद्ध होगा, जब प्रदेश आत्मनिर्भर बनेगा।

समर्थ उत्तर प्रदेश के निर्माण की गौरवमयी यात्रा में आप सभी प्रदेशवासी सहभागी बनें, यही मेरी कामना है।

आपका

योगी आदित्यनाथ

23.02.2026

बेटियों के सपने, हमारे अपने



प्रदेश की सम्मानित बेटियों, आपको न किसी से डरने की आवश्यकता है, न छोटे सपने देखने हैं। सरकार की विभिन्न योजनाएं आपके सपनों की उड़ान को पंख दे रही हैं।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

सशक्त समाज के निर्माण में महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। सरकार आधी आबादी की सुरक्षा, गरिमा एवं आत्मनिर्भरता के प्रति दृढ़-संकल्पित है।

याद करिए, 2017 से पहले शाम होते ही घर से बाहर निकलने में बेटियां घबराती थीं। स्कूल-कॉलेज तक जाने में डर लगता था। महिलाओं के साथ अपराध आम बात थी, लेकिन आज बेटियां रात की पाली में भी काम कर रही हैं।

यह संभव हुआ है स्पष्ट नीति और साफ नीयत से।

मिशन शक्ति और एंटी रोमियो जैसे अभियानों ने बेटियों के विरुद्ध अपराध करने वालों के मन में डर पैदा किया है। जहां बेटियां सुरक्षित और सम्मानित होती हैं, वहां समाज सतत प्रगति करता है।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना बेटियों के जन्म से शिक्षा तक पग-पग पर साथ है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना से गरीब परिवारों के लिए आत्मसम्मान के साथ बेटियों का विवाह संभव हुआ है। पुष्टाहार योजना के माध्यम से गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को बेहतर पोषण देकर आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य में उत्साहवर्धक परिवर्तन सुनिश्चित किया गया है। निराश्रित महिलाओं की पेंशन राशि ₹1,000 से बढ़ाकर ₹1,500 की गई है।

सरकार के इन्हीं प्रयासों का सुफल है कि आज छात्राओं के ड्रॉपआउट रेट में भारी कमी आई है। मातृ मृत्युदर एवं शिशु मृत्युदर में अभूतपूर्व गिरावट आई है। शिक्षा से रोजगार तक बेटियों को समान अवसर मिल रहे हैं।

यूपी की नारी शक्ति आज स्वावलंबन का नया अध्याय रच रही है। स्टार्टअप से उद्यमी क्रेडिट कार्ड तक हर ओर उद्यमिता के अवसर हैं। प्रदेश के सभी विकास खंडों तक स्वयं सहायता समूहों का विस्तार हुआ है। लगभग 40 हजार बीसी सखियां आत्मविश्वास के साथ हजारों करोड़ के वित्तीय लेनदेन कर रही हैं। लखपति दीदी, ड्रोन दीदी, स्वास्थ्य सखी, सूर्य सखी न केवल अपने परिवार को आर्थिक रूप से सशक्त कर रही हैं, अपितु प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान भी दे रही है।

नारी का सम्मान समस्त समाज के लिए सर्वोपरि होना चाहिए। स्मरण रहे - जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी अर्थात मां एवं मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है। प्रदेश की सम्मानित बेटियों, आपको न किसी से डरने की आवश्यकता है, न छोटे सपने देखने हैं। सरकार की विभिन्न योजनाएं आपके सपनों की उड़ान को पंख दे रही है। आप विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य में केवल सहभागिता तक सीमित न रहें, अपितु अग्रणी भूमिका निभाएं। सभी प्रदेशवासियों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हृदय से शुभकामनाएं।

आपका

योगी आदित्यनाथ

नारी शक्ति वंदन



वर्ष 2017 से पूर्व के कालखंड के तम से उबरकर उपद्रव से उत्सव प्रदेश के नवनिर्माण में नारी शक्ति का योगदान अतुलनीय है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से आरम्भ होने वाला आदिशक्ति की आराधना का पावन पर्व नवरात्र हम सभी के जीवन में भक्ति, शक्ति एवं नवचेतना का संचार करे, इसी मंगलकामना के साथ आप सभी को सनातन नव संवत्सर (विक्रम संवत 2083) की हृदय से शुभकामनाएं।

विगत 9 वर्षों में हम सभी ने उत्तर प्रदेश को निरंतर संवरते देखा है। संकल्प से सिद्धि की गौरवमयी यात्रा में प्रदेश के हर वर्ग ने योगदान दिया। वर्ष 2017 से पूर्व के कालखंड के तम से उबरकर उपद्रव से उत्सव प्रदेश के नवनिर्माण में नारी शक्ति का योगदान अतुलनीय है।

चैत्र नवरात्र उपासना का पर्व मात्र नहीं, अपितु नारी शक्ति के वंदन का महापर्व है। वही समाज तथा प्रदेश सशक्त बनता है, जहां बेटियां समर्थ होती हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मुझे नारी शक्ति से संवाद का सौभाग्य मिला। चंदौली की सोनी कुमारी जी की कहानी प्रेरणादायी है, जो फूलों की खेती के माध्यम से आत्मनिर्भर बनीं। साथ ही, उनके समूह की कई महिलाएं आज धनार्जन कर रही हैं।

प्रदेश सरकार ने राज्य एवं केंद्र की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से यह सुनिश्चित किया है, कि नारी शक्ति का मान रहे, बेटियों को उनके सपनों का आसमान मिले और मातृशक्ति को सम्मान मिले। 'मिशन शक्ति' अभियान, रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना, महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड योजना तथा प्रदेश के लगभग 20 हजार स्टार्ट-अप्स में से आधे का नेतृत्व नारी शक्ति द्वारा किया जाना, ये सभी सकारात्मक परिवर्तन के सशक्त उदाहरण हैं।

विकसित प्रदेश के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यह स्वर्णिम यात्रा निरंतर गतिशील रहे, इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्येक प्रदेशवासी हर क्षेत्र में बेटियों को भी आगे बढ़ने के लिए बेटों के समान अवसर प्रदान करने का संकल्प ले।

आपका

योगी आदित्यनाथ

14.03.2026

समरसतावादी बाबासाहेब



बाबासाहेब के विचारों को अपनाकर हमारी सरकार न्याय और समता के आदर्शों के अनुरूप प्रत्येक गरीब, वंचित, महिला और युवा तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

14 अप्रैल को भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर जी की पावन जयंती है। यह अवसर भारत के संविधान की रूपरेखा तैयार करने वाले उस महान व्यक्तित्व को कृतज्ञता अर्पित करने का है, जिसकी दृष्टि से करोड़ों लोगों को गरिमामयी जीवन का अधिकार मिला।

वैसे तो विजन, मिशन और लगन के धनी बाबासाहेब के हर शब्द प्रेरक हैं, परंतु आर्थिक आयाम और शिक्षा के प्रति उनकी दूरदृष्टि अमूल्य है। उन्होंने राजकोषीय संघवाद का विचार दिया। साथ ही कहा था, "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो।" अपने समय में बाबासाहेब भारत के सर्वाधिक शिक्षित लोगों में एक थे। 35 हजार से अधिक पुस्तकों के संग्रहकर्ता बाबासाहेब 16 से 18 घंटे प्रतिदिन अध्ययन करते थे।

स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री बाबासाहेब की पहचान न्यायविद, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ एवं संवेदनशील समाज सुधारक की है। बाबासाहेब ने घर पर सहयोग के लिए सुदामा नाम के व्यक्ति को रखा था। एक बार सुदामा देर रात फिल्म देखकर लौटे, तो बाहर ही सो गए। सुबह सुदामा जागे, तो उन्होंने पाया कि बाबासाहेब ने उनके ऊपर अपना ओवरकोट ओढ़ा दिया है।

बाबासाहेब के विचारों को अपनाकर हमारी सरकार न्याय और समता के आदर्शों के अनुरूप प्रत्येक गरीब, वंचित, महिला और युवा तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है- चाहे वह राशन, आवास, शौचालय, स्वास्थ्य सेवाएं हों या 'घरौनी' के माध्यम से महिलाओं को मालिकाना अधिकार। छात्रवृत्तियां, सामूहिक विवाह योजना, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना वंचितों के लिए संबल बनी। अटल आवासीय विद्यालयों में वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है।

बाबासाहेब के नाम पर छात्रावासों के पुनर्निर्माण और नवनिर्माण की योजना से दलित और कमजोर वर्गों के छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में सहायता मिलेगी। नियोजित कार्यक्रमों से उत्तर प्रदेश में 6 करोड़ से अधिक लोग बहुआयामी गरीबी से ऊपर आये हैं और अब सरकार बाबासाहेब के सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम को आगे बढ़ा रही है।

बाबासाहेब के विचार अपनाने से ही समरस, सशक्त और समृद्ध प्रदेश के निर्माण का संकल्प पूरा होगा। प्रदेशवासियों से मेरा आग्रह है कि अपने घर में अच्छी पुस्तक रखें, स्वयं पढ़ें और बच्चों को भी प्रेरित करें, तभी बाबासाहेब का सपना साकार होगा।

आपका

योगी आदित्यनाथ

14.04.2026

नव-निर्माण के नौ वर्ष



आज अन्नदाता कर्जदार नहीं, अपितु उत्पादक है। वनटांगिया, थारू, मुसहर आदि समुदायों को जहां पिछली सरकारें अनदेखा करती रही हैं, उन तक आज हर योजना का लाभ पहुंच रहा है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

आद्यशक्ति माँ दुर्गा के 9 स्वरूपों की प्रेरणा से नवनिर्माण के 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने उन्नति की उड़ान भरी है। संयोग से नवरात्र के पावन पर्व के साथ उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण हुए हैं। माँ के तप, त्याग एवं शक्ति से प्रेरणा लेकर प्रदेश में सुशासन का नया अध्याय लिखा जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के गांवों में मातृशक्ति ने शक्तिशाली परिवर्तन का बीड़ा उठाया है। सरकार की योजनाओं का सुफल है कि महिलाओं में आत्मविश्वास का संचार हुआ है और प्रतिदिन की चुनौतियां विकास के अवसरों में बदल गई हैं। खेती में नवाचार से वित्तीय समावेशन और स्वास्थ्य पहल तक, ये सिद्ध कर रहे हैं कि प्रगति तब सबसे अधिक चमकती है जब समुदायों को स्वयं नेतृत्व का अधिकार मिले।

याद करिए, 2017 से पहले हमारे कारीगर उद्यमी बनने के स्थान पर श्रमिक बनकर पलायन कर रहे थे। परंतु आज यूपी का नागरिक चाहे देश में हो या परदेस में, वह उत्तर प्रदेश लौट रहा है। पहले नौकरियों के अवसर बहुत कम थे और जितने थे उनमें भी भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद हावी था। आज युवा निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से सरकारी नौकरियां प्राप्त कर रहे हैं।

हमारी सरकार ने वंचितों को वरीयता दी है। केवल धनाढ्य लोगों के बच्चे ही अच्छी शिक्षा के अधिकारी नहीं। प्रदेश के प्रत्येक मंडल में अटल आवासीय विद्यालयों के माध्यम से आज श्रमिक का बच्चा भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहा है।

आज अन्नदाता कर्जदार नहीं, अपितु उत्पादक है।

वनटांगिया, थारू, मुसहर आदि समुदायों को जहां पिछली सरकारें अनदेखा करती रहीं, उन तक आज हर योजना का लाभ पहुंच रहा है। यह दर्शाता है कि सकारात्मक भाव के साथ किया कोई संघर्ष कभी व्यर्थ नहीं जाता।

जगत जननी मां भगवती के आशीर्वाद एवं सरकार के सतत प्रयासों का परिणाम है कि आज प्रदेश भयमुक्त परिवेश में अपने उत्सवों को पूरे उल्लास के साथ मनाता है। बेटियां सुरक्षित हैं। साहस और अमर बलिदान की प्रतीक वीरांगनाओं उदा देवी, झलकारी बाई और रानी अवंतीबाई लोधी के नाम पर 2021 में तीन महिला पीएसी बटालियन स्थापित की गईं। 25 करोड़ नागरिकों की इस पुण्यभूमि ने 2017 से पूर्व के अंधेरे कालखंड से उबर कर 9 वर्षों में नवनिर्माण के कीर्तिमान रचे हैं।

परंतु इस यात्रा को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए प्रत्येक प्रदेशवासी को अपने दायित्वों का निर्वहन 'राष्ट्रधर्म सर्वप्रथम' के मंत्र से प्रेरित होकर करना होगा। आद्यशक्ति से प्रार्थना है कि वे इसके लिए हम सभी को शक्ति दें एवं नवचेतना का संचार करें।

आपका



योगी आदित्यनाथ

व्यक्तित्व निर्माण की प्रथम पाठशाला



प्रभु श्रीराम के मर्यादा पुरुषोत्तम एवं भगवान श्रीकृष्ण के कर्मयोगी स्वरूप की प्रथम सीढ़ी उनका गुरुकुल ही था। आप सबके लिए भी शिक्षा इसी कर्तव्यपथ का अभिन्न अंग है।

मेरे प्यारे बच्चों,

नया शैक्षणिक सत्र आरंभ हो रहा है। आप सभी को स्वर्णिम भविष्य की ढेर सारी शुभकामनाएं। नए सत्र में आप अपनी रुचि के विषय, खेल एवं विद्यालय की गतिविधियों में पूरे मनोयोग से हिस्सा लें तथा अपने सपनों में रंग भरें। प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण एवं संस्कारयुक्त शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कुछ दिन पूर्व मुझे अपने विद्यालय जाने का सौभाग्य मिला, जहां से मुझे जीवन की मूल शिक्षा एवं संस्कार मिले तथा आगे का मार्ग प्रशस्त हुआ। विद्यालय मात्र पढ़ाई का स्थान नहीं, अपितु व्यक्तित्व निर्माण की प्रथम पाठशाला है।

प्रभु श्रीराम के मर्यादा पुरुषोत्तम एवं भगवान श्रीकृष्ण के कर्मयोगी स्वरूप की प्रथम सीढ़ी उनका गुरुकुल ही था। आप सबके लिए भी शिक्षा इसी कर्तव्यपथ का अभिन्न अंग है। स्वामी विवेकानंद जी के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाकर आप सभी परिश्रम एवं सकारात्मक सोच के साथ असंभव लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ मन के लिए खेलकूद तथा योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

आज का युग तकनीक का है, इसलिए उसका सही उपयोग करना सीखें। स्क्रीन टाइम के स्थान पर एक्टिविटी टाइम पर ध्यान केंद्रित करें। खूब खेलें, खूब पढ़ें।

प्रिय अभिभावकों, कुछ बातें मैं आपसे भी करना चाहता हूं। अपने बच्चों को उत्तम से उत्तम शिक्षा दिलवाने के लिए आप भरपूर प्रयास करते हैं। इसके साथ-साथ अपने आस-पड़ोस के उन बच्चों को शिक्षा के मंदिर तक पहुंचाने का भी संकल्प लें, जो शिक्षा से वंचित हैं। सरकारी योजनाओं की जानकारी नहीं होने के कारण जो बच्चे विद्यालय में प्रवेश नहीं कर पाते, सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं, उनके परिवार वालों को जागरूक करें।

सरकार सुनिश्चित कर रही है कि एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहे। 01 अप्रैल, 2026 से 15 अप्रैल, 2026 की अवधि में चलने वाला 'स्कूल चलो अभियान' हमारे इसी संकल्प का प्रतिफल है।

विकसित उत्तर प्रदेश का लक्ष्य तभी पूर्ण होगा जब हर बच्चा पढ़ेगा, हर बच्चा बढ़ेगा।

आपका

योगी आदित्यनाथ

सर्वे भवन्तु सुखिनः



एक समय ऐसा भी था, जब मस्तिष्क ज्वर से काल-कवलित बच्चों के परिजन रोते-बिलखते थे। हमारी सरकार को सेवा का अवसर मिला, तो पूर्वी उत्तर प्रदेश के अभिशाप जापानी इंसेफेलाइटिस का अंत हुआ।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस है। सर्वे भवन्तु सुखिनः की कामना करने वाले उत्तर प्रदेश में एक समय ऐसा भी था, जब मस्तिष्क ज्वर से काल-कवलित बच्चों के परिजन रोते-बिलखते दिखते थे। 9 वर्ष पूर्व उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति दयनीय थी।

हमारी सरकार को सेवा का अवसर मिला, तो पूर्वी उत्तर प्रदेश के अभिशाप जापानी इंसेफेलाइटिस का अंत हुआ। नए अस्पताल बने, सुविधाएं बढ़ीं, विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति हुई और उत्तम उपचार आम आदमी की पहुंच में आया। दवा, जांच और टीकाकरण सुलभ हुआ।

2017 के सापेक्ष 36 से बढ़कर आज 83 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। आज किसी को उपचार के लिए प्रदेश से बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है, अपनी जमीन बेचने की विवशता नहीं है। पीएचसी में हेल्थ एटीएम की स्थापना से लेकर 108 एम्बुलेंस सेवा, टेली कन्सल्टेशन, मोबाइल मेडिकल यूनिट, निःशुल्क डायलिसिस सेवा इसी प्रतिबद्धता का परिणाम है।

आरोग्य मेलों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाया गया है। 9 करोड़ से अधिक लोगों को ₹5 लाख तक का निःशुल्क चिकित्सा सुरक्षा कवच मिला है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं योग वेलनेस सेंटर जैसी वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के केंद्र स्थापित किए गए हैं। 'सर्वे सन्तु निरामयाः' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 'प्रिवेंटिव हेल्थ' को प्राथमिकता दी गई है।

खेलों से स्वास्थ्य का सीधा संबंध होता है, इसलिए राज्य में स्पोर्ट्स फ्रेंडली इकोसिस्टम विकसित किया गया है। आज प्रत्येक ग्राम पंचायत में खेल मैदान, ब्लॉक में मिनी स्टेडियम तथा प्रत्येक जनपद में आधुनिक स्टेडियम निर्मित किए जा रहे हैं।

खेल, युवाओं को नशे से दूर रखने में सहायक होता है, बच्चों को सशक्त बनाता है। मैं अभिभावकों से अपील करता हूं कि वो बच्चों को खेल-कूद की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। खेल, योग एवं व्यायाम को युवा अपनी दिनचर्या में शामिल करें। स्वस्थ जीवनशैली ही स्वस्थ जीवन का आधार है।

आपका

योगी आदित्यनाथ

05.04.2026

चरैवेति-चरैवेति



याद रखिये, एक असफलता भविष्य की असीमित सफलताओं एवं संभावनाओं की जननी हो सकती है। बस, हमें निराशा को हटाकर 'चरैवेति-चरैवेति' के मंत्र पर आगे बढ़ना है।

मेरे प्यारे बच्चों,

यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं कक्षाओं के परीक्षा परिणाम आ चुके हैं। इस वर्ष का परीक्षाफल अत्यंत उत्साहजनक है। अनेक बच्चों ने लगन और कठिन परिश्रम से पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। मेरी ओर से सभी बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य की ढेरों बधाइयां और आशीर्वाद।

मेरी यह पाती, विशेषकर उन बच्चों के लिए है, जो किन्हीं कारणों से अपेक्षित परिणाम नहीं ला पाये। सफलता और असफलता जीवन के अंग हैं। सफलता हमें उत्साहित करती है, लेकिन असफलता से निराशा घर कर सकती है। बस, हमें इसी निराशा को हटाकर 'चरैवेति-चरैवेति' के मंत्र पर आगे बढ़ना है। 'चलते रहो-चलते रहो' का यह सूत्र वाक्य हमें निरंतर परिश्रम, प्रगति और जीवन में न रुकने का संदेश देता है।

याद रखिये, एक असफलता भविष्य की असीमित सफलताओं एवं संभावनाओं की जननी हो सकती है। कोई भी परिणाम जीवन का पहला और अंतिम नहीं होता, अपितु एक नए आरंभ का अवसर होता है। सोना तपकर ही कुंदन बनता है।

महान आविष्कारक थॉमस अल्वा एडिसन ने बल्ब का आविष्कार करने के लिए हजारों प्रयोग किये। हर प्रयोग नाकाम रहा, लेकिन थॉमस एडिसन ने प्रयास जारी रखे। आखिरकार मेहनत रंग लाई और उन्होंने बल्ब का आविष्कार करके पूरी दुनिया को आलोकित किया। विश्व के सर्वश्रेष्ठ गणितज्ञों में एक श्रीनिवास रामानुजन से लेकर ऐसी कई अन्य महान विभूतियां हुईं, जिन्होंने बाधाओं एवं असफलताओं से हार नहीं मानी, बल्कि अपने क्षेत्र में शिखर पर पहुंचे।

प्रिय अभिभावकों, कुछ बातें मैं आपसे भी कहना चाहता हूं। बच्चे देश का भविष्य हैं। यदि किसी कारणवश वे अपेक्षित परिणाम नहीं ला पाये, तो निराश होने के बजाय उनका हौसला बढ़ायें। उनकी रुचि किस विषय में है, इसे समझने का प्रयास करें। ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहां करिअर निर्माण की अपार संभावनाएं हैं। इन अवसरों को पहचानने में बच्चों की मदद करें। उनकी प्रतिभा को खिलने दें।

आपका

योगी आदित्यनाथ

27.04.2026

घातक है स्टंट का मोहजाल



इंटरनेट पर ट्रेंड देखकर स्वयं को वायरल करने का प्रयास घातक हो सकता है। लाइक और व्यूज के लिए जीवन दांव पर न लगाएं। 'रील' और 'रियल' में अंतर करना सीखिए।

मेरे प्यारे बच्चों,

सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने विश्व को डिजिटल डेमोक्रेसी में परिवर्तित किया है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स आज सृजनात्मकता, संचार एवं सूचना के सशक्त माध्यम हैं। परंतु इसी क्रम में एक चिंताजनक प्रवृत्ति भी सामने आई है। यह है जीवन को जोखिम में डालकर रील बनाने एवं सेल्फी लेने की बढ़ती होड़।

आज अनेक युवा लाइक, व्यूज और फॉलोअर्स के मोहजाल में पड़कर घरों के अंदर और सड़क पर स्टंट, तेज रफ्तार बाइक एवं कार पर करतब दिखाने, रेलवे ट्रैक पर और ट्रेन के दरवाजों से लटककर वीडियो बनाने, ऊंची इमारतों, पहाड़ों, नदियों, पुलों, एक्सप्रेसवे और यहां तक कि पानी की टंकियों पर खतरनाक ढंग से सेल्फी लेने जैसे जोखिम उठा रहे हैं। यह न केवल उनके लिए घातक है, बल्कि उनके अपनों के सपनों को भी क्षणभर में तोड़ सकता है। आए दिन होने वाली दुर्घटनाएं इसकी साक्षी हैं।

अक्सर हम आंतरिक नकारात्मकता, अकेलेपन या दिखावे की मानसिकता के कारण डिजिटल दुनिया में कुछ अलग करने का प्रयास करते हैं। ऑनलाइन गेमिंग और अत्यधिक स्क्रीन टाइम ने भी इस प्रवृत्ति को बढ़ाया है, जिसका प्रभाव सामाजिक व्यवहार और व्यक्तित्व विकास पर पड़ता है।

ऐसे किशोर एवं युवा साथियों से मैं कहना चाहूंगा कि आप पर परिवार, समाज, प्रदेश एवं देश का दायित्व है। आप उनके प्रति अपना योगदान देकर वास्तविक नायक बन सकते हैं। इंटरनेट पर ट्रेंड देखकर स्वयं को वायरल करने का प्रयास घातक हो सकता है। रील बनाएं, जिसके विषय सांस्कृतिक, अपनी धरोहर से संबंधित और समाज में सकारात्मकता पैदा करने वाले हों। लाइक और व्यूज के लिए जीवन दांव पर न लगाएं। 'रील' और 'रियल' में अंतर करना सीखिए।

प्रिय अभिभावकों, मैं कुछ बातें आपसे भी कहना चाहता हूं। सोशल मीडिया के इस युग में डिजिटल अवेयरनेस और डिजिटल लिट्रेसी अत्यंत आवश्यक है। सोशल मीडिया का उपयोग ज्ञान और सकारात्मक अभिव्यक्ति के लिए होना चाहिए। यह आपका भी दायित्व है कि आपके बच्चे समय का सदुपयोग करें। अपने बच्चों को रचनात्मक कार्यों के लिए प्रेरित करें। प्रदेश सरकार ने युवाओं के लिए अनेक योजनाएं चला रखी हैं। अपनी रुचि के अनुसार युवा उनका लाभ उठायें।

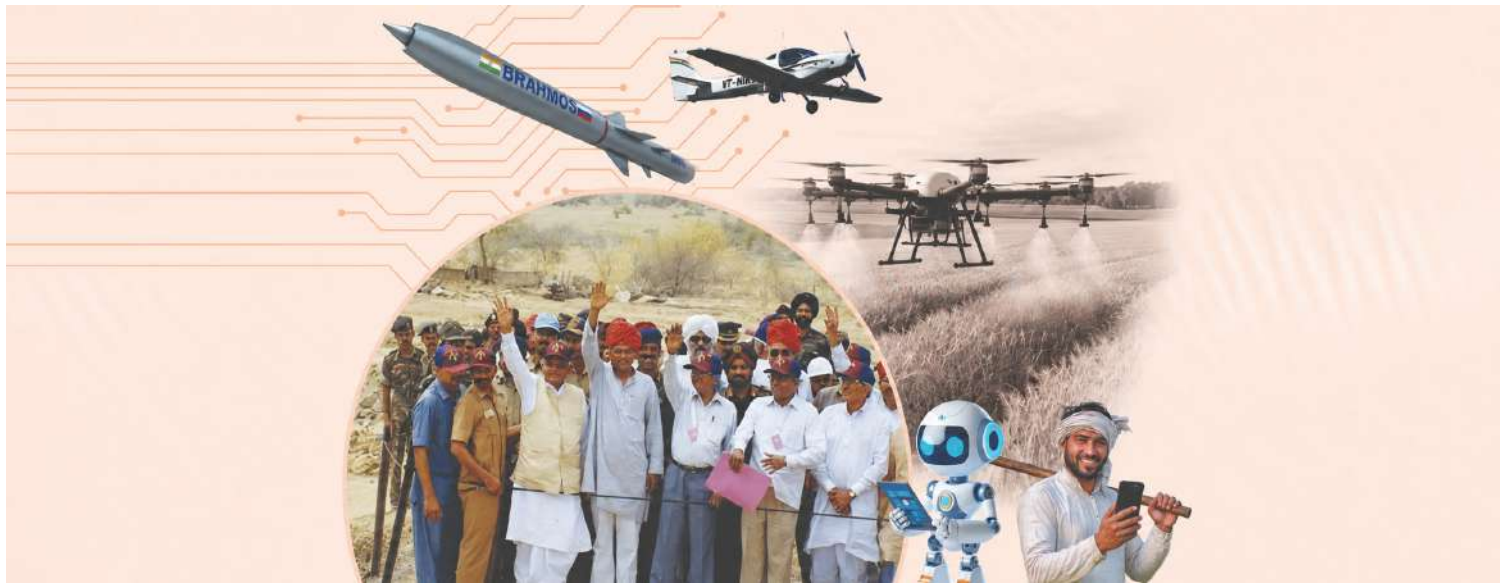
याद रखें, समृद्ध प्रदेश का आधार सशक्त युवा हैं और इनके उज्ज्वल भविष्य का प्रथम द्वार घर की व्यावहारिक शिक्षा से ही खुलता है।

आपका



योगी आदित्यनाथ

सशक्त युवा, विकसित प्रदेश



तकनीक समय की तरह है।
तकनीक के साथ नहीं चलना,
समय से पिछड़ जाना है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

हर वर्ष 11 मई को 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' मनाया जाता है। यह तिथि यूं ही नहीं चुनी गई। वर्ष 1998 में इसी दिन पोखरण में 'ऑपरेशन शक्ति' के अंतर्गत भारत ने तीन सफल परमाणु परीक्षण कर विश्व को अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, तकनीकी आत्मविश्वास और राष्ट्रीय सामर्थ्य का बोध कराया। इसी दिन स्वदेशी विमान 'हंस-3' ने सफल उड़ान भरी, तो स्वदेशी 'त्रिशूल' मिसाइल का परीक्षण भी हुआ। तकनीक केवल विकास का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का सशक्त आधार है।

प्रदेश सरकार इसी मंत्र पर आगे बढ़ रही है। आज तकनीक प्रयोगशाला से निकलकर खेत-खलिहान तक पहुंच गई है। इससे जनजीवन सुगम हुआ है। डीबीटी के माध्यम से पैसे हस्तांतरित हो रहे हैं। आज ऑनलाइन स्व-गणना की सुविधा इसी तकनीक का प्रतिफल है। उत्तर प्रदेश के सपूत शुभांशु शुक्ला ने गत वर्ष सफल अंतरिक्ष उड़ान से 140 करोड़ भारतीयों का सीना गर्व से चौड़ा किया, तो यह तकनीक का ही चमत्कार है। इससे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए।

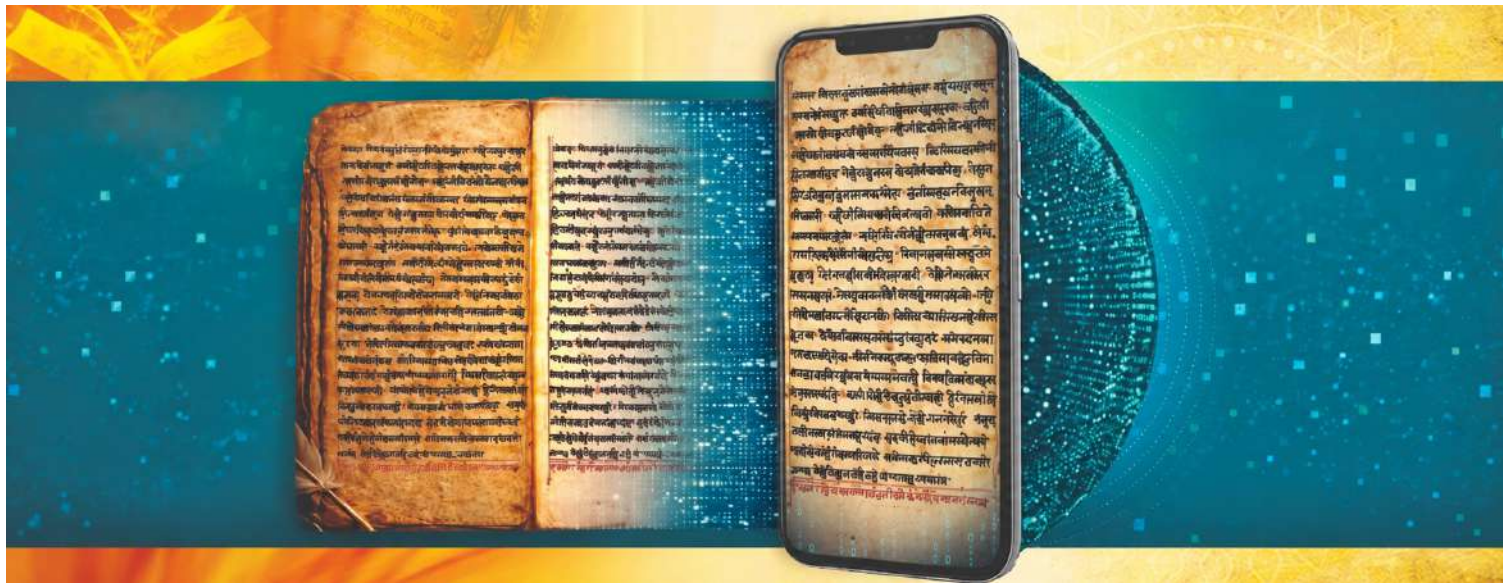
सशक्त युवा प्रदेश की समृद्धि का आधार हैं। इसी के दृष्टिगत रोबोटिक्स और एआई मिशन शुरू किया गया। डेटा सेंटर क्लस्टर की कार्यवाही गतिमान है। सरकार 'टेक युवा-समर्थ युवा' योजना के माध्यम से युवाओं को आधुनिकतम प्रशिक्षण सुनिश्चित कर रही है। 'इनोवेट इन यूपी', स्केल फॉर द वर्ल्ड के मूलमंत्र के साथ हमारी सरकार ड्रोन, क्वांटम, ग्रीन हाइड्रोजन एवं मेड-टेक के क्षेत्र में प्रगति करते हुए यूपी को देश का 'डीप टेक कैपिटल' बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। तकनीक आधारित विकास की इस यात्रा में उत्तर प्रदेश आज आईटी पार्क, स्टार्टअप्स और मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में अग्रणी राज्य है। यहां ब्रह्मोस मिसाइल तक बन रही है।

मेरे युवा साथियों, कुछ बातें मैं विशेष रूप से आपसे कहना चाहता हूं। तकनीक समय की तरह है। तकनीक के साथ नहीं चलना, समय से पिछड़ जाना है। तकनीक के साथ चलने का अर्थ सुदृढ़ वर्तमान एवं स्वर्णिम भविष्य की दिशा में अग्रसर होना है। नवीनतम तकनीक सीखें, नवाचार अपनाएं एवं आत्मनिर्भर प्रदेश के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

आपका

योगी आदित्यनाथ

पाण्डुलिपियां : भारत की आत्मा



वस्तुत: हमारी शक्ति वह ज्ञान है, जिसे सदियों से पाण्डुलिपियों के रूप में सहेजा गया। भारत की सांस्कृतिक-बौद्धिक धरोहर एवं सभ्यतागत विचारों की निरंतरता पाण्डुलिपियों की विशाल संपदा में परिलक्षित होती है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

आज की पाती एक प्रश्न से। मैं आपसे पूछूं कि भारत की आत्मा क्या है? बहुत संभव है आपका उत्तर वेद, उपनिषद, पुराण, रामायण, महाभारत, गीता, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, लीलाधर श्रीकृष्ण, महात्मा बुद्ध, भगवान महावीर, गुरु नानकदेव, संत कबीर, मानवता में कोई एक हो। यहीं मन में सहज जिज्ञासा होती है कि कैसे? उत्तर है, भारत की यह अक्षुण्ण पहचान श्रवण परंपरा से पाण्डुलिपियों में संरक्षित की गई और तकनीकी उन्नयन के बाद ग्रंथों के रूप में घर-घर पहुंची। यही कारण है कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी पाण्डुलिपियों को भारत की आत्मा का अध्याय मानते हैं।

वस्तुतः हमारी शक्ति वह ज्ञान है, जिसे सदियों से पाण्डुलिपियों के रूप में सहेजा गया। भारत की सांस्कृतिक-बौद्धिक धरोहर एवं सभ्यतागत विचारों की निरंतरता पाण्डुलिपियों की विशाल संपदा में परिलक्षित होती है। भारतीय ग्रंथ विज्ञान, चिकित्सा, गणित, खगोल विज्ञान, साहित्य, कला, वास्तुकला, दर्शन, संगीत और आध्यात्मिकता जैसे विषयों का ज्ञान भंडार हैं।

उत्तर प्रदेश सांस्कृतिक पुनर्जागरण की पुण्यभूमि है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर हो या अविनाशी काशी, हम सब इसके साक्षी हैं। पीढ़ियों से संचित ज्ञान का लाभ आज हम इसलिए ले पा रहे हैं, क्योंकि ये पाण्डुलिपियां हजारों वर्षों से ज्ञान चेतना जाग्रत करती रहीं। ये पाण्डुलिपियां आज विभिन्न संग्रहालयों, पुस्तकालयों एवं निजी संग्रहों में उपलब्ध हैं।

ज्ञान विस्तार के संदर्भ में भारत सरकार की एक ऐतिहासिक पहल है 'ज्ञान भारतम् मिशन'। इसके तहत प्राचीन पाण्डुलिपियां डिजिटलाइज की जा रही हैं। इसी क्रम में एक नेशनल डिजिटल रिपोजिटिरी बनाई जाएगी, जहां दुनिया भर के विद्यार्थी, शोधकर्ता भारत की ज्ञान परंपरा से जुड़ सकेंगे।

पाण्डुलिपियों का संरक्षण केवल विरासत को बचाना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान की अमूल्य कुंजी को सुरक्षित रखना है। मैं प्रदेशवासियों से आग्रह करता हूं कि पाण्डुलिपियों के संरक्षण के लिए आगे आएं। अब तक लगभग 7 लाख पाण्डुलिपियों की पहचान की जा चुकी है। यदि आपके पास भी कोई प्राचीन पाण्डुलिपि, हस्तलिखित ग्रंथ, ताड़पत्र आदि उपलब्ध हैं, तो इसकी जानकारी 'ज्ञान भारतम् मोबाइल ऐप' अथवा पोर्टल पर अपलोड करें, ताकि उसका संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

आप इन्हें उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार को दान भी कर सकते हैं। यह मिशन हमारी सभ्यतागत जड़ों के लिए अमृत समान है। इससे देश अतीत के ज्ञान को अपने वर्तमान नवाचार के साथ जोड़कर आदरणीय प्रधानमंत्री जी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के विजन की दिशा में अग्रसर होगा।

आपका



योगी आदित्यनाथ

18.05.2026

जीव-जंतु : स्वस्थ पर्यावरण का श्रृंगार



आधुनिकता आवश्यक है, परंतु प्रकृति से विमुख होकर नहीं। जीव-जंतु प्रकृति के सौष्ठव का प्रतीक मात्र नहीं, अपितु स्वस्थ पर्यावरण का श्रृंगार हैं।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

वर्षा ऋतु में अलग-अलग कीट-पतंगों की आवाज, गर्मियों की रातों में जुगनुओं की चमक, भोर में गौरैयों की चहचहाहट और पेड़ों पर मैनाओं का कलरव, जो पहले दैनिक जीवन का हिस्सा थे, आज शहरों में लगभग दुर्लभ हो चुके है। इनकी लुप्तप्रायः स्थिति चिंताजनक है और जीवन के लिए खतरे का सूचक।

आधुनिकता आवश्यक है, परंतु प्रकृति से विमुख होकर नहीं। जीव-जंतु प्रकृति के सौष्ठव का प्रतीक मात्र नहीं, अपितु स्वस्थ पर्यावरण का श्रृंगार हैं। प्रकृति का संतुलन भी छोटे-छोटे जीव-जंतुओं से बना रहता है। फसल उत्पादन से लेकर खाद्य श्रृंखला तक, प्रकृति के वृहत्तर चक्र में प्रत्येक जीव की महत्वपूर्ण भूमिका है।

सनातन संस्कृति में प्रकृति के प्रत्येक जीव को सृष्टि का अभिन्न अंग माना गया है। त्रिलोक में अजेय माने जाने वाले दशानन का संहार करने वाली प्रभु श्रीराम की सेना में वानर से लेकर ऋक्ष, जटायु और नन्ही गिलहरी तक का योगदान था। यह मानव, प्रकृति तथा विभिन्न जीव-जंतुओं के परस्पर आश्रित रहने का परिचायक है।

9 वर्ष पूर्व जब हमने कार्यभार संभाला था, तब पर्यावरण संरक्षण को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया गया था। वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन के सतत प्रयासों का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश में बाघों, तेंदओं और राज्य पक्षी सारस संख्या में निरंतर वृद्धि हुई। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित आर्द्रभूमियों की रामसर सूची में प्रदेश के 13 स्थलों ने जगह बनाई है। एक समय जिन जीवों और पक्षियों को उत्तर प्रदेश से विलुप्त माना जा रहा था, वे अब फिर से दिखाई देने लगे हैं। तराई के घास के मैदानों में अत्यंत दुर्लभ जर्डन्स बैबलर पक्षी वर्षों बाद दिखाई दिया। दुधवा टाइगर रिजर्व में पेंटेड कीलबैक नामक दुर्लभ सर्प की मौजूदगी 117 वर्ष बाद दर्ज की गई।

जैव विविधता के संरक्षण का प्रयास तभी सफल होगा, जब जन भागीदारी बढ़ेगी। मैं सभी से, विशेषकर युवाओं से आग्रह करता हूं कि जब भी प्रकृति के बीच जाने का अवसर मिले, तो केवल पर्यटक बनकर नहीं, बल्कि जिज्ञासु विद्यार्थी की भांति उस स्थल को परखें। प्रकृति का जीवत संसार आपको इसके अनछुए रूपों से भी परिचित करा सकता है। अपने अनुभवों को ब्लॉग और आलेखों के माध्यम से साझा करें। ग्रीष्मावकाश के दौरान बच्चे इन्हें अपने स्कूली प्रोजेक्ट का विषय बनाएं। प्रकृति के प्रति जागरूकता और अपनापन ही हमारी जैव विविधता के सबसे बड़े संरक्षक है।

आपका

योगी आदित्यनाथ

माता-पिता के चरणों में तीर्थ



भगवान गणेश ने माता-पिता को ही संपूर्ण सृष्टि मानकर उनकी परिक्रमा कर ली। श्रद्धा एवं संस्कार से परिपूर्ण इसी दृष्टिकोण ने भगवान गणेश को प्रथम पूज्य होने का गौरव प्रदान किया।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

आज घर सूने हो रहे हैं और वृद्धाश्रम बढ़ रहे है। यह तथ्य मन को व्यथित करता है। यह स्थिति क्यों आई? आज विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरुकता दिवस पर एक संवेदनशील नागरिक होने के जाते हमें इस पर विचार करना चाहिए।

बाल-बच्चों का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए सर्वस्व अर्पित करने वाले उम्र के चौथे पड़ाव पर अकेले पड़ जाते है। आज की जीवनशैली में युवा घर से दूर काम करते हैं। इच्छा होने पर भी वृद्ध माता-पिता की सेवा के लिए घर में कोई नहीं होता। उम्र के अमृतकाल में वृद्धजनों को अपनत्व की सर्वाधिक आवश्यकता होती है। दुर्भाग्य से समाज ऐसे समय का साक्षी बन रहा है, जब अपनों का दुर्व्यवहार भी उन्हें सहना पड़ता है। देश के सर्वोच्च न्यायालय तक को अपने आदेशों में उन मूल्यों एवं दायित्वों का स्मरण कराना पड़ रहा है, जो सनातन का मूलभाव है।

सनातन संस्कृति में माता-पिता और गुरु को साक्षात ईश्वर माना जाता है। आपने भगवान शिव और माता पार्वती की कथा सुनी होगी। उन्होंने अपने पुत्रों भगवान गणेश और भगवान कार्तिकेय के समक्ष समस्त जगत की परिक्रमा की चुनौती रखी। तब भगवान गणेश ने माता-पिता को ही संपूर्ण सृष्टि मानकर उनकी परिक्रमा कर ली। उन्होंने यह संदेश दिया कि माता-पिता के चरणों में ही समस्त लोकों एवं तीर्थों का वास है। बुद्धि श्रद्धा एवं संस्कार से परिपूर्ण इसी दृष्टिकोण ने भगवान गणेश को प्रथम पूज्य होने का गौरव प्रदान किया। श्रवण कुमार की कथा तो हम सभी को ज्ञात है। भगवान श्रीराम तो माता-पिता को मान रखने के लिए 14 वर्ष का वनवास स्वीकार करने से भी विचलित नहीं हुए।

सनातन धार्मिक रीति-रिवाजों, सामाजिक परंपराओं, पारिवारिक संबंधों एवं मूल्यों पर आधारित जीवनशैली हैं। सनातन में बड़ों का चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेने की परंपरा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि वे हमारे अनुभव, संस्कृति और जीवन मूल्यों के सच्चे धरोहर है। वृद्धजनों का सम्मान केवल संस्कार नहीं, बल्कि हमारी गौरवशाली सभ्यता की पहचान है।

वृद्धजनों और निराश्रित महिलाओं का सम्मानपूर्ण जीवन सुनिश्चित करने के लिए ही प्रदेश सरकार ने ₹1,500 प्रति माह पेंशन देने का निर्णय लिया है। निराश्रित महिलाओं को आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तथा मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से जोड़ा जाएगा, ताकि वे गरिमापूर्ण जीवन व्यतीत कर सकें। उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना का भी लाभ मिलेगा।

मैं सभी वृद्धजनों से आदरपूर्वक कहना चाहूंगा कि आपने परिवार, समाज और देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग अवश्य अपनाएं। संयोग से इस वर्ष 21 जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' की थीम भी 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग है। यह केवल एक थीम नहीं, बल्कि वृद्धजनों के सम्मान, स्वास्थ्य और गरिमापूर्ण जीवन का वैश्विक संकल्प है।

आपका

योगी आदित्यनाथ

शिक्षित बच्चे, समृद्ध भविष्य



“जब कोई बच्चा पहली बार विद्यालय की चौखट पार करता है, तब उसके साथ पूरा परिवार, गांव और समाज आगे बढ़ता है।”

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

जुलाई नवीन माह का आरंभ ही नहीं, अपितु लाखों बच्चों के सपनों को विद्यालय तक पहुंचाने के नए संकल्प का समय हैं। उत्तर प्रदेश में 01 जुलाई से 'स्कूल चलो अभियान' का दूसरा चरण शुरू हो रहा है। 15 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य कक्षा से 12वीं तक शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना, ड्रॉपआउट बच्चों को पुनः विद्यालय से जोड़ना तथा नए शैक्षणिक सत्र में प्रवेश अभियान को गति देना है।

जीवन की सबसे अनमोल संपत्ति की जब भी चर्चा होती है, तो मानस पटल पर केवल विद्या का नाम आता है। ज्ञान के पंख ही बच्चों को आकाश की ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं। विद्यालय वह पवित्र स्थान है, जहां से छात्र-छात्राओं के ज्ञान, संस्कार और जीवन-धर्म के साथ ही चरित्र एवं व्यक्तित्व निर्माण की यात्रा आरंभ होती है। यही सनातन परंपरा भी है। प्राचीन गुरुकुलों में विद्यार्थी गुरु के सान्निध्य में रहकर वेद, उपनिषद, शास्त्र, विज्ञान, शिल्प, धनुर्वेद, कृषि नीति और जीवन-मूल्यों के सांचे में ढलते थे। आज के विद्यालय उसी गुरुकुल परंपरा के आधुनिक स्वरूप हैं, जहां पुस्तकीय और प्रायोगिक ज्ञान के साथ-साथ अनुशासन और राष्ट्रनिर्माण की भावना का विकास होता है।

जब कोई बच्चा पहली बार विद्यालय की चौखट पार करता है, तब उसके साथ पूरा परिवार, गांव और समाज आगे बढ़ता है। प्रत्येक बेटी एवं बेटे की शिक्षा और भविष्य तथा हर परिवार की प्रगति का सर्वाधिक सशक्त आधार विद्यालय ही हैं। हमारी सरकार ने इसी मंशा से 'प्रोजेक्ट अलंकार शुरू किया था, जिसके अंतर्गत प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है तथा आधारभूत संरचना के उन्नयन के साथ ही गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित किया गया है। शिक्षा का प्रकाश पूरे प्रदेश को आलोकित करे, इसलिए हमारी सरकार 'ऑपरेशन कायाकल्प', 'मिशन प्रेरणा', 'कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना' एवं 'मिशन निपुण' जैसे अभियान चला रही है, ताकि हर स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता बढ़े। स्वस्थ मस्तिष्क के लिए स्वस्थ शरीर की आवश्यकता होती है। इसलिए स्कूलों में विविधतापूर्ण गर्म पका पकाया रुचिकर भोजन की व्यवस्था की गई है।

प्रिय गुरुजनों, कुछ बातें मैं आपसे भी करना चाहता हूँ। आप सुनिश्चित करें कि बच्चे स्कूल को दैनिक रूटीन का हिस्सा मात्र न समझें, बल्कि विद्यालय जाने में रुचि दिखाएं। खेल-कूद आदि गतिविधियां इसके लिए बेहतर माध्यम हो सकती है।

अभिभावक अपने बच्चों का मूल्यांकन उनके नंबरों से नहीं, बल्कि उनके हौसले और लगन से करें। स्कूलों में उनकी नियमित उपस्थिति आपको ही सुनिश्चित करनी होगी। 3 से 6 वर्ष के बच्चों को 'बाल वाटिका' भेज सकते हैं। प्रदेशवासियों, 'स्कूल चलो अभियान' को केवल सरकारी कार्यक्रम न रहने दें।

इसे जनांदोलन बनाएं। यदि हमारे आसपास कोई ऐसा बच्चा हो, जो अभी तक विद्यालय नहीं पहुंच पाया, उसे स्कूल तक पहुंचाना भी हमारा कर्तव्य है। उत्तर प्रदेश का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा, जब प्रत्येक बच्चा शिक्षा से अभिसिंचित होगा। विद्या सर्वत्र पूज्यते।

आपका



योगी आदित्यनाथ

29.06.2026

खेलोगे तो खिलोगे



चैंपियन एक दिन में नहीं बनते और खेल
संस्कृति भी रातोंरात नहीं बनती।
खेलने वाला ही खिलता है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

खेल का मैदान गौरवान्वित कर रहा है। 65वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश की पुरुष टीम 20 पदक जीतकर पहली बार चैंपियन बनी। इससे ठीक पहले जापान में पुरुष अंडर-18 हॉकी एशिया कप का स्वर्ण जीतने वाली भारतीय टीम में यूपी के पांच खिलाड़ियों का योगदान भी प्रदेश के लिए गर्व का विषय रहा। खेलने वाला ही खिलता है।

उत्तर प्रदेश की धरती की पहचान अब दीप्ति शर्मा (क्रिकेटर), प्रवीण कुमार (पैरालंपिक ऊंची कूद), अन्नू रानी (भाला फेंक) जैसे बेटे-बेटियों से भी है। दृष्टिबाधित धाविका सिमरन शर्मा की प्रतिभा को पहचान कर लखनऊ में ट्रेनिंग दी गई, तो वह देश के लिए दौड़ने लगीं। ग्रैंडमास्टर वंतिका अग्रवाल देश के लिए शतरंज की बिसात बिछाती हैं।

चैंपियन एक दिन में नहीं बनते और खेल संस्कृति भी रातोंरात नहीं बनती। प्रदेश में खिलाड़ियों के कौशल उन्नयन, प्रशिक्षण और सुविधाओं में बढ़ोतरी के साथ ही खेल नीतियां भी बदली गईं। विभिन्न स्पर्धाएं अब यूपी के युवाओं के लिए केवल खेल नहीं, अपितु ओलंपिक जैसे मंचों तक पहुंचने का माध्यम हैं। प्रदेश सरकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के सम्मान एवं सुरक्षित भविष्य के लिए सरकारी नौकरी प्रदान कर रही है।

आज प्रत्येक ग्राम पंचायत में खेल मैदान, ब्लॉक में मिनी स्टेडियम तथा प्रत्येक जनपद में आधुनिक स्टेडियम विकसित किए जा रहे हैं। मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय तैयार है। प्रत्येक मंडल में स्पोर्ट्स कॉलेज एवं एक्सीलेंस सेंटर स्थापित किए जाएंगे, जहां खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं एवं विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिलेगा।

मैं अभिभावकों से विशेष आग्रह करना चाहूंगा कि बच्चों की खेल प्रतिभा को कभी दबाएं नहीं। खेल केवल पदक नहीं दिलाता, अपितु नशे जैसी बुराइयों से बच्चों और युवाओं को दूर रखने के लिए सबसे सशक्त ढाल बनता है। स्वास्थ्य, सहयोग, सहभागिता, सम्मान, संघर्ष, समर्पण, अनुशासन, सकारात्मकता, समरसता एवं सफलता, इन सभी का मेल ही तो खेल है।

बच्चे एवं युवा खेलों को दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाएं। युवाओं के लिए खेल आज करिअर में सपनों को साकार करने का माध्यम भी है। खेल भावना सबको साथ लेकर चलने की क्षमता तथा अगली बार और बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प विकसित करती है। यही जीवन में सफलता का आधार बनती है तथा विकसित प्रदेश के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करती है।

आपका

योगी आदित्यनाथ

एक पेड़ मां के नाम



“वृक्षारोपण को अपने जीवन के संस्कारों और उत्सवों से जोड़ें। बच्चों के जन्मदिवस पर उनके हाथों एक पौधा अवश्य लगवाएं। जब बेटी अपने नए जीवन की ओर विदा हो, तो वह अपनों की स्मृतियों और स्नेह के प्रतीक स्वरूप एक पौधा अवश्य रोपित करे।”

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में प्रदेश ने 40 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य पूरा कर नया इतिहास रचा है। यह नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के नवसामर्थ्य का जयघोष है। प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, आने वाली पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व और जीवन संरक्षण का संदेश समेटे यह अभियान सनातन चेतना का महोत्सव है। इसकी सफलता पर प्रत्येक प्रदेशवासी को हृदय से शुभकामनाएं।

भारतीय संस्कृति और सभ्यता वनों से आरंभ हुई, इसलिए इसे अरण्य संस्कृति भी कहा जाता है। वनों में ही वेद, उपनिषद और अन्य महान ग्रंथों की रचना हुई तथा ऋषि-मुनियों ने लोकमंगल के लिए चिंतन-मनन किया। हमारे शास्त्र, पुराण और परंपराएं मानव जीवन के प्रत्येक संस्कार में वृक्षों के महत्व को स्वीकार करते हैं। आयुर्वेद मानता है कि विश्व में संभवतः ऐसा कोई पौधा नहीं, जिसमें औषधीय गुण न हो। ऋग्वेद में पृथ्वी और वृक्षों के गहरे संबंध का उल्लेख है। श्रीमद्भगवद्गीता में योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, "वृक्षों में मैं अश्वत्थ (पीपल) हूं।" महाभारत तथा पुराणों में भी पीपल, वट, आंवला, बेल, पारिजात और अन्य वृक्षों का विशेष महत्व बताया गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से प्रारंभ 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का परिणाम है कि वर्ष 2017 से 2023 के बीच प्रदेश के वन एवं वृक्ष आवरण में 3 लाख 38 हजार एकड़ की ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज हुई है। हरित आवरण 9.96 प्रतिशत तक पहुंच चुका है और अब तक 280 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं।

आज पर्यावरण असंतुलन, कार्बन उत्सर्जन, वनों के क्षरण और जैवविविधता के ह्रास जैसी चुनौतियों का सबसे प्रभावी समाधान वृक्ष ही हैं। मेरा आप सभी से आग्रह है कि वृक्षारोपण को अपने जीवन के संस्कारों और उत्सवों से जोड़ें। बच्चों के जन्मदिवस पर उनके हाथों एक पौधा अवश्य लगवाएं। जब बेटी अपने नए जीवन की ओर विदा हो, तो वह अपने मायके की स्मृतियों और स्नेह के प्रतीक स्वरूप एक पौधा अवश्य रोपित करे। परिवार के शुभ अवसरों, मांगलिक आयोजनों और विशेष दिनों को वृक्षारोपण से जोड़कर हम प्रकृति के प्रति अपना दायित्व निभा सकते हैं। यही पौधे आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित, सुरक्षित और समृद्ध प्रदेश का आधार बनेंगे।

आपका



योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश-कौशल प्रदेश



अकादमिक शिक्षा का महत्व है, किंतु इसके साथ युवा किसी न किसी कौशल में निपुणता अवश्य प्राप्त करें। यह कौशल आपको रोजगार पाने वाला ही नहीं, अपितु रोजगार देने वाला भी बनाएगा।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

विश्व युवा कौशल दिवस पर मुझे प्रदेश के कई युवा साथियों से मिलने और उनकी सफलता की प्रेरक कहानियां सुनने का अवसर मिला। उन्होंने जो कुछ कहा, उससे मैं आश्वस्त हूं कि देश की सर्वाधिक युवा शक्ति वाला अपना प्रदेश कौशल से जुड़कर न केवल विकसित उत्तर प्रदेश, अपितु वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के निर्माण का पथ भी प्रशस्त करेगा ।

मेरे इस विश्वास का कारण कर्म और कौशल को सर्वोच्च स्थान देने वाली सनातन संस्कृति के चिरंतन मूल्य है। रामायण में रामसेतु के निर्माण का प्रसंग हमारी सांस्कृतिक चेतना में निहित विज्ञान, शिल्प, नवाचार एवं कार्यकुशलता का गौरवशाली अध्याय हैं, जो हमें कुछ भी असंभव नहीं मानने का मंत्र देता है।

लक्ष्य को कैसे संभव बनाया जा सकता है, इसका उदाहरण सोनभद्र की हेमा जी भी है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की सहायता से ₹20 हजार से आरंभ किया गया उनका फर्नीचर व्यवसाय आज लाखों के टर्नओवर में परिवर्तित हो चुका है। पारंपरिक कौशल एवं आधुनिक तकनीक के मध्य समन्वय स्थापित करते हुए सरकार ने विगत 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश को 'कौशल प्रदेश' में बदला है। 'विश्व युवा कौशल दिवस' पर 'कौशल सेतु' एवं 'कौशल सारथी' का शुभारंभ इसी संकल्प का प्रतीक है।

आज प्रदेश आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं एआई हब के रूप में स्थापित हो रहा है। 'एक जनपद-एक उत्पाद' योजना से पारंपरिक हुनर को वैश्विक पहचान मिली। 'टेक युवा-समर्थ युवा' पहल नई पीढ़ी को भविष्य की तकनीकों से जोड़ रही हैं। 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' कौशल को स्वरोजगार एवं उद्यमिता की शक्ति में बदल रहा है। 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के माध्यम से विद्यार्थियों को नियमित शिक्षा के साथ निःशुल्क व्यावसायिक कौशल का प्रशिक्षण तथा 'स्किल फॉर जीरो पॉवर्टी' पहल के अंतर्गत गरीब परिवारों के एक सदस्य को कौशल से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।

मेरे युवा साथियों, अकादमिक शिक्षा का महत्व है, किंतु इसके साथ आप किसी न किसी कौशल में निपुणता अवश्य प्राप्त करें। यह कौशल आपको रोजगार पाने वाला ही नहीं, अपितु रोजगार देने वाला भी बनाएगा। उत्तर प्रदेश में अकेले एमएसएमई सेक्टर से लगभग 4 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। यह कौशल उन्नयन में प्रदेश के नवसामर्थ्य का प्रमाण है।

युवा यह संकल्प लें कि कम से कम एक कौशल सीखकर समाज और प्रदेश की प्रगति में सक्रिय भागीदारी करेंगे। प्रदेश सरकार कौशल विकास के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। मेरा आग्रह है कि जो युवा इन योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं, वे अपने अन्य साथियों को भी इसकी जानकारी दें, ताकि वे भी इनका लाभ उठा सकें। स्मरण रखिए कौशल ही आत्मनिर्भरता का आधार, स्वाभिमान का संबल और विकसित होने की राह पर अग्रसर प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी है।

आपका

योगी आदित्यनाथ

गुरुः साक्षात् परब्रह्म



> गुरु शिक्षा ही नहीं देते, जीवन को दिशा भी देते हैं। गुरु स्वयं ज्ञान का आलोक हैं, जो शिष्य को अज्ञानरूपी तम से निकालकर सत्य, संस्कार और प्रकाश के पथ पर अग्रसर करते हैं।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

भारतीय मनीषा एवं सनातन संस्कृति में गुरु को साक्षात् परम ब्रह्म माना गया है। विक्रम संवत् 2083 की आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा (29 जुलाई, 2026) को गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व हम सबके लिए गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और सम्मान प्रकट करने का अवसर है।

सनातन परंपरा में यह पर्व महर्षि वेदव्यास की स्मृति में 'व्यास पूर्णिमा' के रूप में मनाया जाता है। बौद्ध परंपरा में यह भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश और धर्मचक्र प्रवर्तन का स्मृति दिवस है। जैन परंपरा में इसका संबंध गौतम स्वामी के ज्ञान-दीक्षा प्रसंग से है। सिख परंपरा में भी गुरु-वाणी सर्वोपरि है। इसीलिए गुरु पूर्णिमा गुरु-शिष्य परंपरा एवं आध्यात्मिक चेतना का सार्वकालिक उत्सव है।

प्रभु श्रीराम ने गुरु वशिष्ठ से ज्ञान और संस्कार प्राप्त कर आदर्श जीवन की मर्यादाओं को आत्मसात किया। भगवान श्रीकृष्ण ने महर्षि सांदीपनि के आश्रम में रहकर ज्ञान प्राप्त किया। कठोपनिषद् में नचिकेता ने यमराज के समक्ष क्षणिक सुख और वैभव का नहीं, अपितु 'श्रेय' अर्थात् सत्य एवं आत्मज्ञान का मार्ग चुना।

जहां गुरु का सम्मान होता है, वही समाज उन्नति करता है। इसी भावना के अनुरूप हमारी सरकार ने विगत नौ वर्षों में शिक्षक सम्मान एवं उनके सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। पारदर्शी भर्ती, समयबद्ध सेवा-सुविधाएं, आधुनिक डिजिटल संसाधन तथा निरंतर क्षमता संवर्धन सुनिश्चित कर हमने अपने गुरुजनों को ऐसा समर्थ परिवेश देने का प्रयास किया है, जहां वे ज्ञान, संस्कार और राष्ट्रनिर्माण की अपनी भूमिका का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें।

शिक्षकों का सम्मान और उनका कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इसी उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री शिक्षक कॅशलेस चिकित्सा योजना' आरंभ की गई है। इसका लाभ बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा से जुड़े प्रदेश के 60 लाख शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं उनके आश्रित परिजन प्राप्त कर रहे हैं। उच्च शिक्षा विभाग के राज्य एवं निजी विश्वविद्यालयों, अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों, स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के 7.50 लाख से अधिक शिक्षकों तथा उनके आश्रित परिजनों को भी इसकी परिधि में लाया गया है तथा शीघ्र ही 2.50 लाख से अधिक शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं उनके आश्रित परिजन भी इस योजना से लाभान्वित होंगे। साथ ही, शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा बीमा कवर भी प्रदान किया जा रहा है।

वास्तव में, गुरु शिक्षा ही नहीं देते, जीवन को दिशा भी देते हैं। गुरु स्वयं ज्ञान का आलोक हैं, जो शिष्य को अज्ञानरूपी तम से निकालकर सत्य, संस्कार और प्रकाश के पथ पर अग्रसर करते हैं। मेरा आप सबसे विशेष आग्रह है कि अपने गुरुजनों का सदैव स्मरण रखें। उनके दिए आदर्शों को जीवन में उतारें। इससे आपका विकास सुनिश्चित होगा तथा विकसित प्रदेश का मार्ग भी तभी प्रशस्त होगा।

आपका

योगी आदित्यनाथ

समरसता का पावन पथ



भारतीय परंपराओं में कुछ यात्राएं धार्मिक अनुष्ठान मात्र नहीं होतीं, अपितु वे समाज, संस्कृति, अनुशासन एवं लोकजीवन की जीवंत पाठशाला भी बन जाती हैं। कांवड़ यात्रा भी ऐसी ही एक अनुपम परंपरा है, जो करोड़ों श्रद्धालुओं को शिवभक्ति के सूत्र से जोड़ती है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

भारतीय परंपराओं में कुछ यात्राएं धार्मिक अनुष्ठान मात्र नहीं होतीं, अपितु वे समाज, संस्कृति, अनुशासन एवं लोकजीवन की जीवंत पाठशाला भी बन जाती हैं। श्रावण में निकलने वाली कांवड़ यात्रा ऐसी ही एक अनुपम परंपरा है, जो प्रत्येक वर्ष करोड़ों श्रद्धालुओं को शिवभक्ति के सूत्र से जोड़ती है।

इस यात्रा में हर शिवभक्त की पहचान एक होती है - कांवड़िया। भगवा वस्त्र, कंधे पर कांवड़ और हृदय में भोलेनाथ के प्रति अटूट श्रद्धा । पैदल चलते कदम अलग हो सकते हैं, लेकिन सबका लक्ष्य एक ही है-महादेव का जलाभिषेक। यहां जाति, वर्ग, भाषा, क्षेत्र अथवा आर्थिक भेद गौण हो जाते हैं। कांवड़ यात्रा समरसता का महापर्व है और यही सनातन संस्कृति के समभाव का जीवंत उदाहरण भी है।

समुद्र मंथन के समय भगवान शिव ने सृष्टि की रक्षा के लिए अपने कंठ में हलाहल धारण किया और नीलकंठ कहलाए। उस विष की उष्णता को शांत करने के लिए देवताओं ने उनका गंगाजल से अभिषेक किया। तभी से श्रावण मास में गंगाजल अर्पित करने की परंपरा विशेष पुण्यदायी मानी जाती है। कांवड़ यात्रा तप, सेवा, आत्मसंयम और परस्पर सहयोग का संदेश देती है। तप से चरित्र दमकता है, सेवा से समाज संवरता है और एकता से राष्ट्र निखरता है।

जब मैं अनेक शिवभक्तों को देखता हूं, जिनमें कई दिव्यांग भी होते हैं, जो कठिनाइयों की चिंता किए बिना कांवड़ लेकर पूरे उत्साह से यात्रा पूर्ण करते हैं तो मन श्रद्धा से भर उठता है। श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास और समर्पण कांवड़ यात्रा की सबसे बड़ी शक्ति है।

प्रत्येक शिवभक्त की यात्रा सम्मानपूर्ण ढंग से संपन्न हो, इसके लिए प्रदेश सरकार कृतसंकल्पित है। कांवड़ियों के स्वागत में पुष्पवर्षा की व्यवस्था की गई है तथा यात्रा मार्गों पर स्वच्छता सुनिश्चित की गई है। व्यवस्थित शिविर, शुद्ध पेयजल, चिकित्सकीय सहायता, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, प्रभावी यातायात प्रबंधन तथा नियंत्रण कक्ष से सतत निगरानी के माध्यम से यात्रा को सुचारु बनाया गया है।

मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि कांवड़ यात्रा को सामाजिक उत्तरदायित्व और सेवा का उत्सव बनाएं। पर्यावरण-अनुकूल कांवड़ अपनाएं तथा प्लास्टिक-मुक्त जीवन का संकल्प लें। यदि मार्ग में एंबुलेंस अथवा विद्यालय वाहन जा रहा हो, तो उसे प्राथमिकता दें। हमारी छोटी-सी सजगता किसी के लिए बड़ी सहायता बन सकती है। सरकार आपकी सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, किंतु इस पावन परंपरा की गरिमा बनाए रखना हम सभी का दायित्व है। श्रद्धा, अनुशासन, संयम और सेवा का यही भाव कांवड़ यात्रा की आत्मा है और भगवान शिव के लोकमंगल का वास्तविक संदेश भी।

आपका

योगी आदित्यनाथ

आत्मनिर्माण से राष्ट्रनिर्माण



जब संकल्प का कोई विकल्प नहीं रह जाता,
तभी असंभव लक्ष्य भी सिद्ध हो पाते हैं।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

उत्तर प्रदेश में पांच करोड़ घरों में तिरंगा फहराने के महायज्ञ की आज पूर्णाहुति हो रही है। 'हर घर तिरंगा' महा-अभियान में उत्साह एवं उमंग के साथ सहभागी बने आप सभी प्रदेशवासियों को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रदेश का नवसामर्थ्य जब विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियों के रूप में झलकता है, तो मन हर्षित हो उठता है।

जब संकल्प का कोई विकल्प नहीं रह जाता, तभी असंभव लक्ष्य भी सिद्ध हो पाते हैं। स्वतंत्रता दिवस हमें सदैव उन वीरों के ऐसे ही संकल्पों का स्मरण कराता है, जो देश के लिए हंसते-हंसते शहीद हो गए। बाबू बंधू सिंह, खुदीराम बोस, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी, ठाकुर रोशन सिंह एवं पंडित राम प्रसाद 'बिस्मिल' जैसे मां भारती के अनेक वीर सपूतों ने युवावस्था में ही अपना सर्वस्व राष्ट्र को समर्पित कर दिया।

किशोरावस्था और युवावस्था जीवन का एक स्वर्णिम दौर है। तरुणाई अंगड़ाई लेती है और सपने आकार लेते हैं। व्यक्तित्व का निर्माण होता है तथा कुछ कर गुजरने की लालसा बलवती होती है। यही समय तय करता है कि हमारी ऊर्जा और सामर्थ्य केवल हमारे अपने भविष्य को आकार देंगे या समाज और राष्ट्र के भविष्य को भी नई दिशा देंगे।

हमारा गौरवशाली इतिहास ऐसे अनेक दृष्टांतों से परिपूर्ण है, जब भारतीय विभूतियों ने उम्र की सीमाओं से परे जाकर देश और दुनिया को मार्ग दिखाया। आदि शंकराचार्य ने अल्पायु में ही भारत की आध्यात्मिक चेतना को एक सूत्र में पिरो दिया। स्वामी विवेकानंद ने युवावस्था में ही भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति का संदेश विश्व मंच तक पहुंचाया। इनका जीवन सिखाता है कि उम्र छोटी हो सकती है, लेकिन संकल्प और सामर्थ्य बड़ा होना चाहिए।

जब मै 26 वर्ष की अवस्था में पहली बार लोकसभा के लिए निर्वाचित हुआ और सार्वजनिक जीवन का व्रत लिया, तब से अब तक मेरे सामने भी राष्ट्रसेवा एवं जनसेवा के यही आदर्श सर्वोपरि रहे हैं। आज प्रदेश सरकार युवाओं को आगे बढ़ने के लिए हरसंभव अवसर प्रदान कर रही है। विगत साढ़े नौ वर्षों में शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार और खेल के क्षेत्र में अनेक अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। आवश्यकता है कि किशोर एवं युवा इन अवसरों का लाभ उठाएं। अपने संकल्प को राष्ट्रनिर्माण के वृहद लक्ष्य से जोड़ें और उसे सुदृढ़ करने के लिए नियमित योग एवं व्यायाम को जीवन का अंग बनाएं। तिरंगे के मूल्यों- शौर्य, शांति और समृद्धि को अपने जीवन में उतारें। जाति-पाति से ऊपर उठकर एकता एवं समरसता का मार्ग चुनें।

युवा साथियों, आत्मनिर्माण से राष्ट्रनिर्माण का महती दायित्व आपके कंधों पर है। आपकी ऊर्जा, प्रतिभा, अनुशासन एवं संकल्प से ही विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण का लक्ष्य साकार होगा। यही युवा शक्ति उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी है।

आपका

योगी आदित्यनाथ

सुरक्षा सूत्र : सुरक्षित नारी



रक्षाबंधन भाई की कलाई पर बंधने वाला रक्षा-सूत्र मात्र नहीं, अपितु स्नेह, विश्वास और संकल्प का पावन पर्व है, जो परिवार को जोड़ता है, समाज में आत्मीयता जगाता है तथा बहन-बेटियों के सम्मान, सुरक्षा एवं स्वाभिमान के प्रति अपने दायित्व का स्मरण कराता है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

रक्षाबंधन भाई की कलाई पर बंधने वाला रक्षा-सूत्र मात्र नहीं, अपितु स्नेह, विश्वास और संकल्प का पावन पर्व है, जो परिवार को जोड़ता है, समाज में आत्मीयता जगाता है तथा बहन-बेटियों के सम्मान, सुरक्षा एवं स्वाभिमान के प्रति अपने दायित्व का स्मरण कराता है। 'श्रावण पूर्णिमा' के पावन अवसर पर इस वर्ष 28 अगस्त को मनाया जाने वाला यह पर्व हमारे सनातन संस्कारों की इसी सुदृढ़ परंपरा का प्रतीक है।

इस पर्व से जुड़ी कथाएं भी स्नेह और संरक्षण के इसी भाव को साकार करती है। लोक परंपरा में कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण की उंगली से रक्त बहता देख द्रौपदी ने अपनी साड़ी का किनारा फाड़कर बांध दिया। द्रौपदी के इस स्नेह का प्रत्युत्तर श्रीकृष्ण ने संकट के समय उनकी रक्षा करके दिया। इसी प्रकार, राजा बलि को रक्षासूत्र बांधकर माता लक्ष्मी ने उन्हें अपना भाई बनाया और भगवान विष्णु को अपने साथ ले आई। ये प्रसंग बताते है कि खेह केवल संबंध नहीं बनाता, वह दायित्व और संरक्षण का भाव भी जगाता है।

आज जब नई पीढ़ी तकनीकी उन्नयन के साथ आगे बढ़ रही है, तब इन संस्कारों को अपने आचरण का अंग बनाना और विवेक, सद्भाव एवं सामाजिक एकता को महत्व देना पहले से अधिक आवश्यक है। यही संस्कार हमारे परिवारों को सुदृढ़ करते हैं, समाज को एकजुट रखते हैं और संविधान की प्रस्तावना में निहित समानता, बंधुता और सामाजिक समरसता के भाव को सशक्त करते हुए राष्ट्र को शक्ति प्रदान करते हैं।

रक्षा का यही भाव एक संवेदनशील सरकार के संकल्प में भी दिखाई देता है। हमारी सरकार ने विगत साढ़े नौ वर्षों में बहन-बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। मिशन शक्ति तथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना ने बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और प्रगति को गति दी है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह और निराश्रित महिला पेंशन योजना से सामाजिक सुरक्षा मिली है। महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। रक्षाबंधन पर वर्ष 2017 से प्रारंभ की गई माताओं-बहनों के लिए निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा इस वर्ष भी 27 से 29 अगस्त तक मिलेगी। इससे सुगम एवं सुरक्षित मात्रा सुनिश्चित होगी।

सभी प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मेरा आप सबसे आग्रह है कि रक्षा सूत्र के संकल्प को अपने आचरण का हिस्सा बनाएं। प्रत्येक बहन-बेटी के सम्मान और सुरक्षा का संकल्प लें। सुरक्षाबल, पुलिसकर्मियों और आपदा राहतकर्मियों को रक्षा-सूत्र बांधकर उनके प्रति अपनत्व और कृतज्ञता प्रकट करें। साथ ही, स्थानीय स्तर पर निर्मित राखियों एवं उपहारों को प्राथमिकता दें। आपका यह प्रयास स्थानीय श्रम, कौशल और उद्यम को प्रोत्साहन देगा तथा आत्मनिर्भर एवं विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को और सुदृढ़ करेगा।

आपका

योगी आदित्यनाथ

जय कन्हैया लाल की



भगवान श्रीकृष्ण कुलीनता के नहीं, समरसता के प्रतीक हैं। वे समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ खड़े रहे। वे द्वारकाधीश हैं, तो सुदामा के आत्मीय मित्र भी। यही समरसता, समानता और आत्मीयता आज के समाज की आवश्यकता है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

भाद्रपद कृष्ण अष्टमी की अर्धरात्रि में मथुरा के कारागार में जब नंदलाला का प्राकट्य हुआ, तब असत्य और अन्याय के अंधकार के बीच सत्य और धर्म का प्रकाश प्रस्फुटित हुआ। भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं मन को आनंदित करने वाली कथाएं मात्र नहीं, बल्कि उनमें गहन आध्यात्मिक संदेश निहित हैं। माखन चोरी में सहजता और निश्छलता, गोप-गोपियों के साथ उनकी आत्मीयता में प्रेम और समरसता तथा कालिय नाग के दमन में अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश मिलता है। इस पावन अवसर पर आप सभी को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (4 सितम्बर, 2026) की हृदय से शुभकामनाएं।

भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें बताता है कि समाज की शक्ति सामूहिक सहकारिता में निहित है। गोवर्धन पर्वत धारण कर उन्होंने प्रकृति, पशुधन और कृषि-आधारित जीवन के संरक्षण तथा सामूहिक एकजुटता का संदेश दिया। वृंदावन से लेकर बरसाना की राधारानी और नंदगांव की प्रेममयी स्मृतियों तक, ब्रज की धरती आज भी उस दिव्य चेतना को अपने कण-कण में संजोए हुए है।

श्रीकृष्ण कुलीनता के नहीं, समरसता के प्रतीक हैं। वे समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ खड़े रहे। वे द्वारकाधीश हैं, तो सुदामा के आत्मीय मित्र भी। सांदीपनि ऋषि के आश्रम में उन्होंने ज्ञान अर्जित किया और सुदामा के साथ उनकी मित्रता ने बताया कि सच्चे संबंध पद, प्रतिष्ठा और संपन्नता से नहीं, आत्मीयता से बनते है। यही समरसता, समानता और आत्मीयता आज के समाज की आवश्यकता है।

योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें लोककल्याणकारी शासन की मूल भावना की प्रेरणा भी देता है। अन्याय का प्रतिकार, धर्म की रक्षा, निर्बल का संरक्षण और लोकमंगल उनके जीवन-दर्शन के प्रमुख आधार रहे। आज इसी भाव के साथ हमारी सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्य कर रही है। गरीबी मुक्त उत्तर प्रदेश, प्रतिभासंपन्न निपुण युवाओं को काम, अन्नदाताओं को सहारा एवं बेटियों को बेटों के समान आगे बढ़ने का अवसर, लोककल्याण की इसी भावना को धरातल पर उतारने का प्रयास हमारी सरकार कर रही है।

गीता में योगेश्वर श्रीकृष्ण ने कर्म, ज्ञान और कर्तव्य का जो मार्ग दिखाया, वह केवल किसी एक युग के लिए नहीं है। दैनंदिन जीवन की प्रत्येक चुनौती में इससे बड़ा मार्गदर्शन शायद ही कुछ और हो। निष्काम कर्म, सत्य के प्रति निष्ठा और लोकमंगल की भावना हमें अपने कर्तव्यों के प्रति सजग बनाती है।

उत्तर प्रदेश की धरती श्रीकृष्ण की लीलाओं और संदेशों की पावन भूमि है। मथुरा, गोकुल, वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना और नंदगांव हमारी सनातन सांस्कृतिक चेतना के जीवंत केंद्र हैं। आइए, इस जन्माष्टमी पर अपनी विरासत के संरक्षण, सामाजिक समरसता और विकसित एवं गौरवशाली उत्तर प्रदेश के निर्माण का संकल्प लें तथा श्रीकृष्ण के सत्य, धर्म, कर्म और लोकमंगल के संदेश को अपने जीवन में उतारें।

आपका

योगी आदित्यनाथ

डिजिटल साक्षरता, आज की आवश्यकता



हमारी प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरुकुल समग्र शिक्षा के केंद्र रहे हैं, जहां ज्ञान के साथ जीवन-मूल्यों और दायित्वबोध की शिक्षा भी दी जाती रही है। यही भाव आज भी हमारी शिक्षा का आधार होना चाहिए। ज्ञान तभी सार्थक है, जब वह जीवन को सरल बनाए और समाज के लिए उपयोगी बने।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

अभी 5 सितंबर को शिक्षक दिवस पर मुझे राष्ट्र निर्माण की नींव रखने वाले 81 गुरुजनों को सम्मानित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। शिक्षक वह दीप हैं, जो ज्ञान का प्रकाश फैलाकर आने वाली पीढ़ियों का मार्ग प्रशस्त करते हैं। इसी ज्ञान के विस्तार और प्रत्येक व्यक्ति को सशक्त बनाने की दिशा में 8 सितंबर को हम अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाएंगे।

हमारे बच्चे विद्यालय क्यों जाते हैं? केवल पढ़ना-लिखना सीखने के लिए? जी नहीं, हमारा उद्देश्य बच्चों को ज्ञान, संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं जीवन को सही दिशा देने वाली समझ देना है। हमारी प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरुकुल इसी समग्र शिक्षा के केंद्र रहे हैं, जहां ज्ञान के साथ जीवन मूल्यों और दायित्वबोध की शिक्षा भी दी जाती थी। यही भाव आज भी हमारी शिक्षा का आधार होना चाहिए। ज्ञान तभी सार्थक है, जब वह जीवन को सरल बनाए और समाज के लिए उपयोगी बने।

आज तकनीक तेजी से हमारे जीवन को बदल रही है। ऐसे में डिजिटल साक्षरता के साथ एआई साक्षरता भी समय की आवश्यकता है। AI, डीप-टेक और उभरती प्रौद्योगिकी शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और रोजगार के नए अवसर खोल रहे हैं। हमारी सरकार परंपरागत ज्ञान को आधुनिक विज्ञान, तकनीक, नवाचार और कौशल से जोड़ रही है। लखनऊ में AI City और कानपुर में ड्रोन एवं UAV तकनीक का विकसित होता पारिस्थितिकी तंत्र उत्तर प्रदेश के तकनीकी भविष्य की नई संभावनाओं का आधार बन रहा है।

इसी दिशा में हमारी सरकार ने ऑपरेशन कायाकल्प, मिशन प्रेरणा, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना और कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यालयी सुविधाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया है। इन प्रयासों का परिणाम है कि प्रदेश के विद्यालयों में ड्रॉपआउट दर को न्यूनतम करने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है और अधिक से अधिक बच्चे शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

इस पूरी यात्रा में शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे विद्यार्थियों में संस्कार, जिज्ञासा, अनुशासन, आत्मविश्वास और दायित्वबोध जगाते हैं तथा हमारी गौरवशाली ज्ञान-परंपरा को आधुनिक ज्ञान और नवाचार से जोड़ते हैं।

लेकिन साक्षरता का संकल्प समाज के सहयोग के बिना पूरा नहीं हो सकता। यदि आपके आसपास कोई व्यक्ति अक्षर ज्ञान से वंचित है, तो उसे साक्षर बनाना हम सभी का कर्तव्य है। किसी को पढ़ना-लिखना सिखाने का छोटा-सा प्रयास उसके जीवन में ज्ञान, आत्मविश्वास और अवसरों के नए द्वार खोल सकता है।

आइए, इस अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर संकल्प लें कि हर बच्चा विद्यालय पहुंचे, हर विद्यार्थी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाए, हर युवा कौशल और नवाचार से जुड़े तथा हर नागरिक साक्षर होने के साथ डिजिटल ज्ञान और एआई के प्रति जागरुक बने।

आपका

योगी आदित्यनाथ

वोकल फॉर लोकल



प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश शुभत्व एवं मंगल के आराध्य हैं। भगवान गणेश का पर्यावरण और जीवों के साथ जुड़ाव, उनकी रूप-रचना तथा जीवन-दर्शन, प्रकृति के संरक्षण और संतुलन का संदेश देता है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश शुभत्व एवं मंगल के आराध्य हैं। मेरा हृदय प्रफुल्लित हो उठता है, जब मैं देखता हूं कि संपूर्ण प्रदेश में, विशेषकर युवा अपने घरों में भगवान गणपति की स्थापना कर श्रद्धा के साथ उनका पूजन करते हैं। सामाजिक एकता एवं राष्ट्र के प्रति अपने संकल्प को सुदृढ़ करने वाले महापर्व गणेश चतुर्थी की आप सभी को कोटि-कोटि मंगलकामनाएं।

भगवान गणेश का पर्यावरण और जीवों के साथ गहरा जुड़ाव, उनकी रूप-रचना तथा जीवन-दर्शन, प्रकृति के संरक्षण और संतुलन का संदेश देता है। गज मुख जंगलों और वन्यजीवों का प्रतीक है, तो मूषक वाहन भूमि की उर्वरता और कृषि से जुड़ा है। विशाल उदर संपूर्ण ब्रह्मांड को समाहित करने का भाव व्यक्त करता है, जबकि उनके बड़े कान हमें प्रकृति की हर पुकार को सुनने का संदेश देते हैं।

गणेश चतुर्थी पर पूजा जाने वाला 'एकविंशति पत्र' (इक्कीस प्रकार की विशेष पत्तियां) औषधीय पौधों के संरक्षण से जुड़ा हैं। इस प्रकार गणपति का चरित्र हमें मानव जीवन और प्रकृति के एक-दूसरे का पूरक होने का संदेश देता है। इसी विराटता को लोकमान्य तिलक ने आस्था से एकता, एकता से जनशक्ति और जनशक्ति से राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देने वाला महापर्व बना दिया।

गणेशोत्सव के ज्ञान, विवेक और कर्म की भावना सृजन तथा निर्माण के स्वरूप भगवान विश्वकर्मा के पूजन में दिखाई देती है। 17 सितंबर को जब सृष्टि के प्रथम अभियंता भगवान विश्वकर्मा का पूजन किया जाएगा, तब कौशल एवं तकनीक के संगम से नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहे विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण का संकल्प और पुष्ट होगा।

एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, औद्योगिक क्षेत्र और आधुनिक आधारभूत संरचनाएं नए उत्तर प्रदेश के बढ़ते सामर्थ्य का प्रमाण हैं। किसी प्रदेश का वास्तविक निर्माण केवल बड़े ढांचों से नहीं, वहां के लोगों के हुनर, विचारों की शक्ति और उद्यमिता के साहस से होता है। इसी सोच के साथ हमारी सरकार विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, एक जनपद-एक उत्पाद, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान जैसी पहलों के माध्यम से पारंपरिक कारीगरों, शिल्पकारों, युवाओं और उद्यमियों को कौशल, उपकरण, वित्त और बाजार से जोड़ने का कार्य कर रही है।

मैं आप सभी से विशेष आग्रह करना चाहूंगा कि 'वोकल फॉर लोकल' को केवल विचार नहीं, बल्कि व्यवहार का अंग बनाएं। स्थानीय उत्पादों का सम्मान बढ़ेगा, तो कारीगरों के हाथों को काम, युवाओं को रोजगार के अवसर और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और हुनर तथा स्थानीय सामर्थ्य पर विश्वास से ही आत्मनिर्भर एवं विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा।

आपका

योगी आदित्यनाथ

यूपी का मेला



उत्तर प्रदेश को बीमारू प्रदेश की छवि से बाहर निकालकर उत्सव प्रदेश बनाना बड़ी चुनौती थी, लेकिन आज हमारा प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन है। प्रदेश की पहचान केवल बाजार और जनशक्ति नहीं, बल्कि यहां के युवाओं का कौशल, कारीगरों, शिल्पकारों और उद्यमियों की प्रतिभा भी है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का चौथा संस्करण 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित होने जा रहा है। उत्तर प्रदेश के उत्पादों को वैश्विक मंच मिले, हमारे कारीगरों, उद्यमियों और अन्नदाताओं की मेहनत को दुनिया पहचाने, इसी उद्देश्य से यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन वर्ष 2023 में आरंभ किया गया था।

जब डबल इंजन सरकार ने प्रदेश की सेवा का दायित्व संभाला, तब हमारे सामने सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में एक रोजगार सृजन था। आज मुझे संतोष है कि अकेले एमएसएमई सेक्टर और ओडीओपी जैसी पहलों के माध्यम से 4 करोड़ से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। इसकी सफलता से प्रेरित होकर ही 'एक जनपद-एक व्यंजन' (ओडीओसी) जैसी नई पहल शुरू की गई है।

उत्तर प्रदेश को बीमारू प्रदेश की छवि से बाहर निकालकर उत्सव प्रदेश बनाना बड़ी चुनौती थी, लेकिन आज हमारा प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन है। निर्यात में हमारी भागीदारी ₹2 लाख करोड़ से अधिक है। देश-विदेश के उद्यमी उत्तर प्रदेश में निवेश करना चाहते हैं। ₹15 लाख करोड़ का निवेश धरातल पर उतर चुका है। बड़े पैमाने पर निवेश से निर्यात बढ़ता है, जिससे रोजगार के नए अवसर बनते हैं। इसका लाभ प्रदेशवासियों, विशेषकर युवाओं को मिलता है।

उत्तर प्रदेश की पहचान केवल बाजार और जनशक्ति नहीं, बल्कि यहां के युवाओं के कौशल, कारीगरों, शिल्पकारों और उद्यमियों की प्रतिभा भी है। प्रदेश का युवा रोजगार पाने वाला नहीं, अपितु रोजगार देने वाला उद्यमी बने, प्रदेश सरकार इसी सोच के साथ युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं। युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए स्टार्टअप नीति-2026 और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना जैसी पहलें नवाचार, कौशल, उत्पाद विकास और बाजार से जुड़ने के अवसर उपलब्ध करा रही हैं। आज उत्तर प्रदेश अपने उत्पादों के साथ अपने युवाओं की उद्यमशीलता को भी वैश्विक बाजार तक पहुंचा रहा है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार शो इसी सामर्थ्य को खरीदारों, निवेशकों और वैश्विक बाजार से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच है।

मैं प्रदेश के युवाओं, विद्यार्थियों, नवोन्मेषकों और भावी उद्यमियों से आग्रह करता हूं कि इस अवसर का लाभ उठाएं। बड़ी संख्या में आएं, नए संपर्कों और नए बाजार को समझें तथा अपनी प्रतिभा एवं क्षमता के अनुरूप नए अवसर तलाशें। उद्यमिता के प्रति जागरुकता के अभाव को दूर करते हुए अपने आसपास उपलब्ध अवसरों को पहचानें। आपका नया विचार एवं छोटा-सा प्रयास भी आने वाले समय में बड़े उद्यम का आधार बन सकता है।

आपके प्रयासों से स्थानीय सामर्थ्य वैश्विक बाजार तक पहुंचेगा और इसी के बल पर हम वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ते हुए विकसित उत्तर प्रदेश के स्वप्न को साकार करेंगे।

आपका



योगी आदित्यनाथ

पढ़ें, बढ़ें, बदलें



आप पुस्तकों को अपना मित्र बनाइये, प्रश्न पूछिए, नए विचारों को जानिए और अपनी जिज्ञासा को निरंतर जीवित रखिए। एक पुस्तक किसी युवा के जीवन में नया विचार जगा सकती है और एक नया विचार पूरे समाज को नई दिशा दे सकता है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

आज जब मैं यह पाती लिख रहा हूं, मेरा हृदय अमर शहीद भगत सिंह के प्रति कृतज्ञता से ओत-प्रोत है। मात्र 23 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनकी जयंती हम सबके लिए राष्ट्रधर्म को सर्वोपरि रखते हुए अपने संकल्प को नई ऊर्जा देने का अवसर है।

भगत सिंह ने परतंत्रता की बेड़ियों में जकड़े भारत को स्वतंत्र कराने के लिए अपने प्राणों का बलिदान कर दिया। आज हमें भी जाति-पाति, नशा और अन्य सामाजिक बुराइयों की बेड़ियों से मुक्ति के लिए उनके अदम्य साहस और राष्ट्रनिष्ठा से सीख लेनी होगी। वे अध्येता थे और हिंदी, उर्दू, पंजाबी तथा अंग्रेजी सहित कई भाषाओं के ज्ञाता थे। उनके जीवन से हमें ज्ञान को अपनी शक्ति बनाने, सीखने की ललक को जीवित रखने और अपने संकल्प को कर्म से जोड़ने की प्रेरणा लेनी चाहिए।

ज्ञान जब कौशल से जुड़ता है, तो युवा अपनी प्रतिभा को सामर्थ्य में बदलकर अपने सपनों को साकार कर सकता है। इसी उद्देश्य से हमारी सरकार युवाओं को शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, उद्यम और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक सहयोग दे रही है। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी का अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान युवाओं को अपना उद्यम स्थापित करने और रोजगार सृजित करने के लिए सशक्त आधार दे रहा है। स्टार्टअप नीति के माध्यम से नवाचार और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। मेरा विश्वास है कि जब युवा ज्ञान को कौशल, कौशल को संकल्प और संकल्प को कर्म से जोड़ेंगे, तब उनके सपनों के साथ प्रदेश की विकास यात्रा को नई गति मिलेगी।

मेरा आपसे विशेष आग्रह है कि संवरते उत्तर प्रदेश में ज्ञान के विस्तृत साधनों का अधिकाधिक सदुपयोग करें। प्रदेश में भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम पर प्रत्येक जनपद में आधुनिक पुस्तकालय एवं डिजिटल लाइब्रेरी विकसित की जा रही है, ताकि ज्ञान तक पहुंच और सहज हो। आप पुस्तकों को अपना मित्र बनाइए, प्रश्न पूछिए, नए विचारों को जानिए और अपनी जिज्ञासा को निरंतर जीवित रखिए। एक पुस्तक किसी युवा के जीवन में नया विचार जगा सकती है और एक नया विचार पूरे समाज को नई दिशा दे सकता है। आइए, हम सब मिलकर ज्ञानवान, संस्कारवान एवं सामर्थ्यवान उत्तर प्रदेश के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

आपका



योगी आदित्यनाथ

28.09.2026

सनातन के संस्कार



हमसे पहले की पीढ़ियों ने हमें जो दिया, उसे संरक्षित रखना और आने वाली पीढ़ियों को उससे अधिक समृद्ध विरासत सौंपना हमारा धर्म है। सतत विकास का यही भाव परिवार को पिरोता है, समाज को अपनी जड़ों से जोड़े रखता है तथा प्रदेश एवं राष्ट्र को नई ऊर्जा प्रदान करता है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

हमारी महान सनातन संस्कृति अतीत को स्मरण करने की परंपरा मात्र नहीं, अपितु अतीत से वर्तमान और वर्तमान से भविष्य को जोड़ने वाली जीवन-दृष्टि है। पितृ पक्ष इसी सनातन भाव की अभिव्यक्ति का अवसर है। आश्विन कृष्ण प्रतिपदा (27 सितंबर) से प्रारंभ हुआ यह पवित्र पक्ष आश्विन कृष्ण अमावस्या, अर्थात् सर्वपितृ अमावस्या (10 अक्टूबर) के साथ पूर्ण होगा। इन दिनों श्राद्ध के माध्यम से हम अपने पूर्वजों का स्मरण करते हैं, तर्पण कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। पिंडदान हमें याद दिलाता है कि आज हम जो कुछ हैं, उसमें हमारे पूर्वजों के तप, त्याग, परिश्रम और संस्कारों का भी योगदान है।

पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता अपने उत्तरदायित्व को समझने का संस्कार भी है। हमसे पहले की पीढ़ियों ने हमें जो दिया, उसे संरक्षित रखना और आने वाली पीढ़ियों को उससे अधिक समृद्ध विरासत सौंपना हमारा धर्म है। सतत विकास का यही भाव परिवार को पिरोता है, समाज को अपनी जड़ों से जोड़े रखता है तथा प्रदेश एवं राष्ट्र को नई ऊर्जा प्रदान करता है।

इतिहास में एक प्रसिद्ध प्रसंग वर्णित है। आगरा किले में अपने पुत्र औरंगजेब की कैद में रह रहे शाहजहां ने पानी के लिए व्यग्र होकर उसे पत्र लिखा था। शाहजहां ने पत्र में सनातन परंपरा का उल्लेख किया, जिसमें दिवंगत पूर्वजों को भी जल अर्पित किया जाता है। वहीं, क्रूर औरंगजेब ने जीवित पिता को भी जल के लिए व्याकुल कर दिया। यह प्रसंग हमें बताता है कि पूर्वजों के प्रति श्रद्धा हमारी सनातन जीवन-पद्धति में कितनी गहराई से रची-बसी है।

मेरा आप सभी से विशेष आग्रह है कि हम इस विरासत को केवल स्मरण तक सीमित न रखें, बल्कि अपने आचरण में उतारें। परिवार के वृद्धजनों का सम्मान करें, बच्चों को अपने संस्कारों से परिचित कराएं तथा ज्ञान, सेवा और सदाचार की उस परंपरा को आगे बढ़ाएं जो पीढ़ियों को जोड़ती है और भविष्य को दिशा देती है।

पूर्वजों से मिली स्वस्थ और सुरक्षित जीवन की विरासत को आगे बढ़ाना भी हमारा दायित्व है। हमारी सरकार प्रदेश के प्रत्येक परिवार के स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में 1 से 31 अक्टूबर, 2026 तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 12 से 31 अक्टूबर, 2026 तक दस्तक अभियान चलेगा। स्वास्थ्यकर्मी, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां और अन्य विभागीय कर्मी घर-घर पहुंचकर स्वच्छता, रोग-लक्षणों की पहचान और समय पर उपचार के लिए लोगों को जागरूक करेंगे। पूर्वी उत्तर प्रदेश में कभी अभिशाप मानी जाने वाली इंसेफेलाइटिस का उन्मूलन यह सिद्ध करता है कि समग्र प्रयास और जनभागीदारी से असंभव को भी संभव किया जा सकता है।

आइए, स्वच्छता को अपनी दिनचर्या बनाएं, अपने आस-पास झाड़ियां न उगने दें, जलभराव न होने दें, बुखार जैसे लक्षणों को गंभीरता से लें और 'दस्तक' को हर घर में स्वास्थ्य-जागरूकता का अभियान बनाएं। स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज से ही विकसित उत्तर प्रदेश का सपना साकार होगा।

आपका



योगी आदित्यनाथ

05.10.2026

साहस, सृजन, नेतृत्व



अहंकार, दुराग्रह, आसक्ति और बढ़ती नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विनम्रता, साहस, शक्ति, संकल्प, न्याय और धर्म की विजय का भाव ही मां दुर्गा के नौ स्वरूपों में निहित है। आज भी समाज जब ऐसी प्रवृत्तियों से संघर्ष करता है, तब नवरात्र हमें स्मरण कराता है कि सज्जनता तभी प्रभावी होती है, जब उसमें शक्ति और संकल्प का सामर्थ्य हो।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

जब महिषासुर के अत्याचार से तीनों लोकों में त्राहि-त्राहि मच गई, तब देवताओं की सामूहिक ऊर्जा से एक ऐसी दिव्य शक्ति का प्राकट्य हुआ, जो साक्षात् आदिशक्ति थीं। मां दुर्गा ने महिषासुर का वध कर धर्म और न्याय की पुनर्स्थापना की। महिषासुरमर्दिनी की इसी विजय और शक्ति की आराधना के पावन पर्व शारदीय नवरात्र पर आप सभी को हृदय से मंगलकामनाएं।

लंका विजय से पूर्व प्रभु श्रीराम ने मां जगतजननी की साधना की थी। साधना के लिए 108 नीलकमलों में एक कम पड़ने पर उन्होंने अपने नयन को ही अर्पित करने का निश्चय किया। तब मां प्रकट हुईं और उन्हें विजय का वर दिया। ममता और वात्सल्य की प्रतिमूर्ति यही मां त्रैलोक्य बचाने के लिए चंडी का रूप लेती हैं तथा मधु-कैटभ, शुंभ-निशुंभ और रक्तबीज जैसे दानवों का संहार करती हैं। अहंकार, दुराग्रह, आसक्ति और बढ़ती नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विनम्रता, साहस, शक्ति, संकल्प, न्याय और धर्म की विजय का भाव ही मां के नौ स्वरूपों में निहित है। आज भी जब समाज ऐसी प्रवृत्तियों से संघर्ष करता है, तब नवरात्र हमें स्मरण कराता है कि सज्जनता तभी प्रभावी होती हैं, जब उसमें शक्ति और संकल्प का सामर्थ्य हो। यही सामर्थ्य हमारी मातृशक्ति एवं समस्त समाज को सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प का आधार है।

मां विंध्यवासिनी, मां पाटेश्वरी और मां शाकुम्भरी जैसे प्रमुख शक्तिपीठों में नवरात्र पर श्रद्धालुओं की आस्था और युवाओं की बढ़ती सहभागिता यह दर्शाती है कि नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत से गहराई से जुड़ रही है। उत्तर प्रदेश आज आस्था, संस्कृति और परंपरा के पुनर्जागरण का सशक्त केंद्र बन रहा है। इसी चेतना को सार्थक बनाने के लिए बेटियों को शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर दिए जा रहे हैं।

हमारी सरकार ने वर्ष 2020 में शारदीय नवरात्र पर मिशन शक्ति अभियान प्रारंभ किया था। इसका उद्देश्य ही नारी सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण को जनभागीदारी से जोड़ना था। आज लगभग 44,000 से अधिक महिलाएं उत्तर प्रदेश पुलिस बल का हिस्सा हैं। पुलिस भर्ती में महिलाओं के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। ऊदा देवी पासी, झलकारी बाई कोरी तथा रानी अवंतीबाई लोधी जैसी वीरांगनाओं के नाम पर तीन महिला PAC बटालियन गठित की गई हैं । मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से बालिकाओं की शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य को प्रोत्साहन मिल रहा है। 10 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर एक करोड़ से अधिक महिलाएं स्वावलंबन की नई गाथा लिख रही हैं।

आइए, नवरात्र के इस पावन अवसर पर उपासना एवं उपवास के साथ एक संकल्प यह भी लें कि किसी बहन की सुरक्षा के लिए उसकी आवाज बनेंगे, किसी बालिका की शिक्षा में सहयोग करेंगे और किसी महिला के आत्मनिर्भर बनने की राह में उसका संबल बनेंगे। आदिशक्ति की आराधना तभी पूर्ण होगी, जब प्रदेश की मातृशक्ति सुरक्षित, सम्मानित और स्वावलंबी बनेगी। इसी से विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प की सिद्धि होगी।

आपका



योगी आदित्यनाथ

शक्ति से सृजन



प्रभु श्रीराम ने स्वर्णमयी लंका के वैभव के बजाय जन्मभूमि अयोध्या को वरीयता दी और लंका का राजपाट उसके उत्तराधिकारी को सौंपा। उनके श्रीमुख से निकले शब्द, “जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी”, मां और मातृभूमि के प्रति प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देते हैं।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

आप सभी को शक्ति से सृजन के महापर्व शारदीय नवरात्र की महानवमी की हृदय से बधाई एवं विजयादशमी की अनंत शुभकामनाएं। मां दुर्गा का प्रबल पराक्रम और प्रभु श्रीराम का धर्मनिष्ठ जीवन हमें अन्याय के प्रतिकार, नारी सम्मान तथा कर्तव्यपालन की प्रेरणा देता है। अन्यायी एवं अधर्मी चाहे कितने ही शक्तिशाली क्यों न हों, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है। विजयादशमी इसी शाश्वत सत्य का प्रतीक है।

सनातन संस्कृति विजय के उल्लास में विनम्रता और ज्ञान के प्रति सम्मान का भाव भी सिखाती है। लंका विजय के पश्चात प्रभु श्रीराम ने अपने अनुज लक्ष्मण जी को मृत्यु शय्या पर पड़े रावण से ज्ञान प्राप्त करने के लिए भेजा। प्रभु श्रीराम ने स्वर्णमयी लंका के वैभव के बजाय जन्मभूमि अयोध्या को वरीयता दी और लंका का राजपाट उसके उत्तराधिकारी को सौंपा। उनके श्रीमुख से निकले शब्द, "जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी", मां और मातृभूमि के प्रति प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देते हैं।

विजयादशमी के व्यापक संदेश में आत्मसंयम, समता, शौर्य और कर्तव्यनिष्ठा जैसे मूल्य हमारी विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं में अलग-अलग रूपों में अभिव्यक्त होते हैं। प्रभु श्रीराम का जीवन समरसता और सामाजिक एकात्मता का प्रतीक है। रामलीला का मंचन हो या इसे देखने के लिए आने वाले दर्शक, सब बिना किसी भेदभाव के उत्साह के साथ इन उत्सवों में हिस्सा लेते हैं। प्रभु श्रीराम कथा के आदर्श भारतवर्ष तक ही सीमित नहीं हैं, अपितु विश्व के अनेक देशों की सांस्कृतिक परंपराओं में घुलमिल गए हैं। इन आदर्शों की सार्थकता तभी है, जब वे हमारे आचरण और शासन-व्यवस्था में भी प्रतिबिंबित हो।

मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के आदर्शों के अनुरूप हमारी सरकार ने प्रदेश में कानून के शासन और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। माफिया और संगठित अपराध के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर भयमुक्त वातावरण बनाने की दिशा में निर्णायक कदम उठाए गए हैं। माफिया के कब्जे से मुक्त कराई गई भूमि पर गरीबों के लिए आवास बनाए गए हैं। मुझे संतोष है कि इसी क्रम में प्रयागराज के कसारी-मसारी में माफिया के कब्जे से मुक्त भूमि पर गरीबों के लिए आवास बनेंगे। यह क्षेत्र 'श्रीकृष्णपुरी' के रूप में विकसित होगा। अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति ने कानून के प्रति विश्वास सुदृढ़ करने और निवेश, उद्योग एवं विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाने में योगदान दिया है।

सुरक्षित एवं समरस समाज के निर्माण के लिए शासन के प्रयासों के साथ जनभागीदारी भी आवश्यक है। मेरा आपसे विशेष आग्रह है कि इस विजयादशमी पर अहंकार, अन्याय, भेदभाव और नकारात्मकता रूपी रावण के दहन के साथ नशे की लत, पारिवारिक कलह, जातीय भेदभाव और दहेज-प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों से मुक्ति का संकल्प भी लें। यदि हमारे आसपास कोई व्यक्ति किसी व्यसन से पीड़ित है, तो उसे तिरस्कार नही, सहयोग और संवेदना देते हुए स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करें। सामूहिक संकल्प और जनभागीदारी से ही स्वस्थ परिवार, सशक्त समाज और समृद्ध उत्तर प्रदेश का स्वप्न साकार होगा।

आपका

योगी आदित्यनाथ

प्रभु श्री राम : युवा ऊर्जा के प्रेरणा पुंज



ऊर्जा के प्रेरणा पुंज भगवान श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात करते हुए युवा यह संकल्प लें कि किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं मानेंगे। जब मन से ऊंच-नीच की दीवारें टूटेंगी, तभी समरस समाज का स्वप्न साकार होगा।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

सामाजिक समरसता, न्याय एवं मानवता के उद्घोषक आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जी की पावन जयंती पर आप सभी को हृदय से बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं। महर्षि वाल्मीकि जी केवल भारतीय संस्कृति के ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के महान मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने अपनी अमर कृति रामायण के माध्यम से सत्य, धर्म, मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा का जो संदेश दिया है, वह युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता रहेगा।

क्रौंच पक्षी के वध से उपजी करुणा महर्षि वाल्मीकि जी के मुख से प्रथम श्लोक के रूप में प्रकट हुई और इसी से रामायण की रचना का मार्ग प्रशस्त हुआ। भगवान श्रीराम के चरित्र को जीवंत करते हुए उन्होंने ऐसे आदर्श समाज की कल्पना प्रस्तुत की, जिसमें प्रेम, न्याय, समरसता और बंधुत्व सर्वोपरि हों। भगवान श्रीराम ने निषादराज को आत्मीय मित्र बनाया, जिसे वाल्मीकि रामायण में कहा गया है कि 'तत्र राजा गुहो नाम रामश्यात्मसमः सखा।' यह प्रसंग हमें स्मरण कराता है कि सामाजिक पहचान से ऊपर उठकर आत्मीयता, सम्मान और समानता का भाव ही समाज को जोड़ता है। रामराज्य की परिकल्पना भी प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण पर आधारित है। आज उत्तर प्रदेश सरकार महर्षि वाल्मीकि जी के इन्हीं आदर्शों को आत्मसात कर समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान में जुटी है।

हमारी सरकार ने महर्षि वाल्मीकि जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और उनके पावन स्थलों के विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। चित्रकूट स्थित उनके पावन साधना स्थल के विकास की पहल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, ताकि श्रद्धालु और युवा पीढ़ी उनके जीवन-दर्शन से प्रेरणा प्राप्त कर सकें। जहां रामायण की रचना हुई उस बिठूर में भी महर्षि वाल्मीकि आश्रम के पर्यटन विकास एवं संरक्षण के लिए विभिन्न कार्य किए गए।

अयोध्या के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को महर्षि वाल्मीकि जी का नाम दिया जाना उनकी विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान प्रदान करता है। प्रदेश में वाल्मीकि जयंती पर सार्वजनिक अवकाश उनके प्रति सम्मान का प्रतीक है। साथ ही, हमारी सरकार वंचित एवं पिछड़े वर्गों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

महर्षि वाल्मीकि जी की शिक्षाओं का मर्म तभी साकार होगा, जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर मिलें। इसी भावना से हमारी सरकार ने स्वच्छताकर्मियों के सम्मान, सुरक्षा एवं कल्याण के लिए अनेक योजनाएं प्रारंभ की हैं। वनटांगिया समाज के गांवों को राजस्व ग्राम का दर्जा देने के साथ ही मुसहर, कोल, थारू और घुमंतू समुदायों तक आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। साथ ही, वंचित समाज के पात्र परिवारों को भूमिधरी अधिकार प्रदान कर उन्हें सम्मानजनक जीवन का आधार उपलब्ध कराया जा रहा है।

महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती पर मैं आप सभी युवाओं से विशेष रूप से कहना चाहूंगा कि युवा ऊर्जा के प्रेरणा पुंज भगवान श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात करते हुए यह संकल्प लें कि किसी प्रकार का भेदभाव नहीं मानेंगे। जब मन से ऊंच-नीच की दीवारें टूटेंगी, तभी समरस समाज का स्वप्न साकार होगा। जय श्रीराम !

आपका



योगी आदित्यनाथ

दीपोत्सव : आस्था से विकास का प्रकाश



दीपोत्सव से हमारा सनातन संबंध केवल परंपराओं से नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों से भी है। दीपोत्सव अंधकार से प्रकाश, निराशा से आशा और आस्था से विकास की यात्रा का प्रतीक है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

सप्तपुरियों में श्रेष्ठ श्रीअयोध्या धाम अपने दसवें भव्य एवं दिव्य दीपोत्सव के स्वागत के लिए पुलकित है। दीपोत्सव अंधकार से प्रकाश, निराशा से आशा और आस्था से विकास की यात्रा का प्रतीक है। यह मात्र दीप प्रज्वलन नहीं, अपितु भारत की सनातन चेतना के पुनर्जागरण तथा सांस्कृतिक गौरव का महापर्व है। दीप की छोटी-सी लौ सिखाती है कि गहन अंधकार में भी प्रकाश की एक किरण नई आशा का संचार करती है। प्रभु श्रीराम के अयोध्या आगमन की स्मृति से जुड़े इस पावन पर्व पर आप सभी को हार्दिक मंगलकामनाएं।

दीपोत्सव से हमारा सनातन संबंध केवल परंपराओं से नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों से भी है। 14 वर्षों तक भरत जी ने राजसुख त्याग कर प्रभु श्रीराम की चरण-पादुकाओं को सिंहासन पर प्रतिष्ठित रख अयोध्या के राज्य का संचालन किया। रामायण का यह प्रेरक प्रसंग हमें सिखाता है कि सत्ता का वास्तविक अर्थ अधिकार नहीं, दायित्व है। अयोध्या का दीपोत्सव त्याग, मर्यादा और समर्पण की इसी भावना को विश्वपटल पर प्रतिष्ठित कर रहा है। मां सरयू के तट पर सजी दीपमाला, राम की पैड़ी पर लाखों दीपों की जगमग मानो अयोध्या में आकाश गंगा उतर आई हो। ड्रोन के माध्यम से आकाशीय प्रस्तुतियां और कलाकारों की सहभागिता इस महोत्सव को अलौकिक भव्यता प्रदान करती है।

आस्था और जनभागीदारी को विकास की शक्ति बनाकर उत्तर प्रदेश ने उत्सव प्रदेश के रूप में नई पहचान स्थापित की है। हमारा स्पष्ट विश्वास है कि जहां प्रकाश है, वहां सुरक्षा का वास है। जहां सुरक्षा है, वहां निवेश के अवसर हैं। जहां निवेश है, वहां विकास है। जहां विकास है, वहीं रोजगार तथा सुख समृद्धि है। यही उत्सवधर्मिता का आधार है। दीपोत्सव आस्था और अर्थव्यवस्था का संगम भी है। इससे कुम्हारों, पुष्प विक्रेताओं और होटल व्यवसायियों सहित स्थानीय व्यापारियों के लिए रोजगार एवं आय के अवसर बढ़ते हैं।

मैं आप सभी से विशेष रूप से कहना चाहूंगा कि यदि आपके आस-पड़ोस में कोई वंचित परिवार है, तो अपने सामर्थ्य के अनुसार उसकी दीपावली भी आलोकित करें। दीये, मिठाइयां और नए वस्त्र भेंट कर उसके जीवन में प्रसन्नता का संचार करें। यही दीपोत्सव की सच्ची भावना है। विशेषकर युवा, दीपक के प्रकाश की तरह सकारात्मक ऊर्जा से जुड़ें, नकारात्मकता से दूर रहें, अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें, क्योंकि स्वच्छता में ही श्री जी का वास है। स्थानीय कारीगरों के दीप एवं उत्पाद खरीदकर उनके परिश्रम को प्रोत्साहन दें।

मेरी हार्दिक इच्छा है कि आप अपने परिवार और मित्रों के साथ अयोध्या पधारें तथा प्रभु श्रीराम की पावन नगरी में भव्य दीपोत्सव की दिव्य छटा के साक्षी बनें। हर घर में खुशहाली हो, हर मन में सद्भाव हो और प्रगति पथ प्रशस्त हो, इसी मंगलकामना के साथ....

सियावर रामचंद्र की जय।

आपका

योगी आदित्यनाथ

संकल्प, संवाद, संवेदना



“पहली बार वनटांगिया गांव जाने का मुझे आज भी स्मरण है। कोल, गोंड, मुसहर, थारू और बुक्सा जैसे वंचित समाज के लोगों का दयनीय जीवन तथा वर्षों से मूलभूत सुविधाओं से विमुख रहने की उनकी स्थिति देखकर मैं अत्यंत व्यथित हुआ। मुझे लगा कि शासन का वास्तविक दायित्व केवल योजनाएं बनाना और उपलब्धियां गिनाना नहीं, बल्कि समाज के उस अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना भी है, जिसकी अपेक्षाएं और पीड़ा कई बार व्यवस्था तक नहीं पहुंच पातीं। उस प्रसंग ने मेरे मन में यह भाव और दृढ़ किया कि शासन और जनता के बीच निरंतर संवाद तथा संवेदनशील जुड़ाव होना चाहिए। पाती की प्रेरणा भी इसी भाव में निहित है।”

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

पाती के माध्यम से आपसे संवाद करते हुए 50 सप्ताह कब पूर्ण हो गए, पता ही नहीं चला। कभी-कभी आपके मन में यह जिज्ञासा उठती होगी कि मुख्यमंत्री पाती क्यों लिखते हैं? इसका उत्तर एक प्रसंग में छिपा है।

पहली बार वनटांगिया गांव जाने का मुझे आज भी स्मरण है। कोल, गोंड, मुसहर, थारू और बुक्सा जैसे वंचित समाज के लोगों का दयनीय जीवन तथा वर्षों से मूलभूत सुविधाओं से विमुख रहने की उनकी स्थिति देखकर मैं अत्यंत व्यथित हुआ। मुझे लगा कि शासन का वास्तविक दायित्व केवल योजनाएं बनाना और उपलब्धियां गिनाना नहीं, बल्कि समाज के उस अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना भी है, जिसकी अपेक्षाएं और पीड़ा कई बार व्यवस्था तक नहीं पहुंच पातीं। उस प्रसंग ने मेरे मन में यह भाव और दृढ़ किया कि शासन और जनता के बीच निरंतर संवाद तथा संवेदनशील जुड़ाव होना चाहिए। पाती की प्रेरणा भी इसी भाव में निहित है।

मेरी सहज भावना यही थी कि मुख्यमंत्री और प्रदेश की 25 करोड़ जनता के बीच संबंध केवल औपचारिक सूचनाओं तक सीमित न रहें। उत्तर प्रदेश मात्र एक प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि एक परिवार है। और, परिवार में आदेश नहीं, अपनत्व के साथ संवाद होता है। मेरा प्रयास ऐसे विषयों पर आपसे संवाद करने का रहा है, जो सीधे आपके जीवन, आपकी आकांक्षाओं और नए उत्तर प्रदेश के भविष्य से जुड़े हों। पाती के माध्यम से सुख-दुख की साझेदारी, परस्पर विश्वास और सहभागिता को सुदृढ़ करना ही मेरी भावना रही है।

गत एक वर्ष में लिखे गए ये पत्र मेरे लिए केवल विचारों की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि प्रदेश की जनभावनाओं को समझने, उन्हें स्वर देने और उनके अनुरूप एक व्यापक दृष्टि साझा करने का माध्यम भी बने हैं। मुझे यह जानकर विशेष प्रसन्नता होती है कि इस संवाद की गूंज प्रदेश की सीमाओं को पार कर देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंची है।

इस यात्रा में आपका स्नेह और विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी रहे हैं। मैं चाहता हूं कि पाती केवल मेरे विचारों की अभिव्यक्ति बनकर न रह जाए, बल्कि इसमें आपके मन की बात, आपकी अपेक्षाएं और आपके सुझाव भी समान रूप से स्थान पाएं। आपकी आवाज ही पाती की वास्तविक शक्ति है। आपकी सहभागिता ही इसे और अधिक सार्थक तथा जनभावनाओं के अनुरूप बनाने का आधार बनेगी।

आइए, आत्मीय सुख-दुख की इस संवाद-श्रृंखला को और सुदृढ़ करें। विचारों की यह साझेदारी विश्वास का ऐसा सेतु बने, जो सरकार और समाज को एक-दूसरे के निकट लाए। हम सब मिलकर ऐसे उत्तर प्रदेश के निर्माण का संकल्प लें, जो समृद्धि में अग्रणी और संस्कारों में श्रेष्ठ हो।

आपका



योगी आदित्यनाथ

